ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष -8, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07, अंक - 345 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
31 मई 2024 शुक्रवार

आज का मौसम

44 अधिकतम
31 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

मप्र में कल से आंधी का अलर्ट, गर्मी से दम तोड़ रहे हैं लोग

नई दिल्ली , एजेंसी।

उत्तर और मध्य भारत के कई इलाके असाधारण गर्मी से जूझ रहे हैं. अधिकतम तापमान के वर्षों पुराने रिकॉर्ड टूट रहे हैं देशभर में भीषण गर्मी और हीटवेव के बीच अब अलग-अलग राज्यों से लोगों की मौत होने की खबरें सामने आ रही हैं। वहीं पानी और बिजली की जबर्दस्त किल्लत भी उभर गई है। अब तक देशभर में भीषण गर्मी के कारण 43 लोगों की मौत हो चुकी है। बिहार में 20 लोग गर्मी के कारण अपनी जान गंवा चुके हैं. वहीं, ओडिशा में भी 10 लोगों की जान गर्मी के कारण चली गई है,झारखंड से लेकर मप्र तक यह हादसे हुए हैं। मप्र में कई स्थानों पर पारा 42 से 46 तक बना हुआ है। करीब चालीस जिले भीषण गर्मी झेल रहे हैं। आज 18 जिलों में लू का अलर्ट है। तापमान में एक दो डिग्री की कमी आई है लेकिन तपन कम नहीं हो रही है। हालांकि मप्र के कई इलाकों में कल आंधी और पानी की भी संभावना जताई गई है। अब तक मप्र में गर्मी से 17 मौतों की खबरे हैं। बिहार के 3 जिलों में 20 लोगों की मौत हो गई है। झारखंड के पलामू जिले में पिछले 24 घंटे के दौरान 5 लोगों की मौत हो गई। वहीं ओडिशा में भी कई लोगों ने जान गवां दी।

दिल्ली में पानी की झीनाझपटी

दिल्ली में लोगों को पानी के टैंकरों के पीछे बाल्टी और पाइप लेकर दौड़ते देखा जा सकता है। पानी का टैंकर देखते ही लोग उस पर झपट पड़ते हैं जिसके कई वीडियो सामने आए हैं. लोग लंबी-लंबी लाइनों में लगे हुए हैं। संकट इतना बड़ा है कि कल दिल्ली सरकार को इमरजेंसी बैठक बुलानी पड़ी. इसके अलावा पानी की बर्बादी पर जुर्माना लगाया ही जा चुका है

सुप्रीम कोर्ट पहुंची केजरीवाल सरकार, दायर की याचिका

दिल्ली-हरियाणा के बीच पानी को लेकर जंग

नई दिल्ली , एजेंसी।

दिल्ली और हरियाणा सरकार के खिलाफ पानी को लेकर खींचतान जारी है। इसी मामले में दिल्ली सरकार अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई है। दिल्ली सरकार ने सर्वोच्च अदालत में याचिका दाखिल की है। उन्होंने हरियाणा, दिल्ली और हिमाचल प्रदेश से मानी की मांग की है। उन्होंने कहा कि एक महीने अतिरिक्त पानी दिया जाए। इससे पहले, दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने आरोप लगाते हुए कहा था कि रिकॉर्ड तापमान के बीच हरियाणा सरकार दिल्ली के हिस्से के पानी की कटौती कर रही है। एक दिन पहले,आतिशी ने आरोप लगाया था कि हरियाणा सरकार यमुना में पर्याप्त पानी नहीं छोड़ रही है। इससे दिल्ली में जल संकट गहराता जा रहा है। हालांकि, इससे निपटने के लिए सरकार ने

वाटर टैंकर वार रूम बनाया है, जहां से दिल्लीवासी 1916 पर कॉल कर टैंकर मंगवा सकते हैं। पानी की बर्बादी रोकने के लिए जल बोर्ड की 200 टीमें बनाई गई हैं।

कल मतदान के अंतिम दौर के पहले जबर्दस्त सियासी हलचल

मोदी का ध्यान विपक्ष में कोहराम मप्र में 68% वोट मिलने का दावा

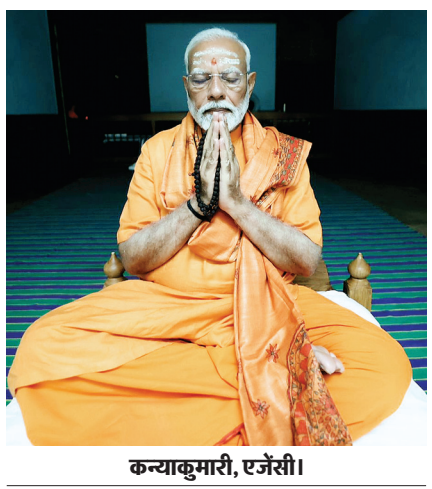

कन्याकुमारी, एजेंसी।

चुनाव प्रचार खत्म करने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल शाम से कन्याकुमारी में हैं। वे यहां के विवेकानंद रॉक मेमोरियल में 45 घंटे की ध्यान साधना कर रहे हैं। मोदी ने अपनी डाइट में नारियल पानी और अन्य तरल पदार्थों को ही शामिल किया है। ध्यान साधना में लीन पीएम मोदी के आज फोटो-वीडियो सामने आने के बाद विपक्ष भड़का हुआ है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पीएम मोदी की ध्यान-साधना पर कटाक्ष करते हुए कहा कि ध्यान साधना करने या गंगा में डूबकी लगाने से ज्ञान नहीं आता है। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि चुनाव परिणाम के बाद ध्यान साधना करने वाले कहेंगे कि साधना में कोई कमी रह गई होगी, इसीलिए चुनाव में हार मिली। पीएम मोदी के विवेकानंद रॉक मेमोरियल में 45 घंटे के प्रवास के लिए भारी सुरक्षा समेत सभी इंतजाम किए गए हैं. शनिवार तक समुद्र तट पर्यटकों के लिए बंद रहेगा और निजी नौकाओं को भी चलने की अनुमति नहीं होगी. देश के दक्षिणी छोर पर स्थित इस जिले में 2 हजार पुलिसकर्मियों का दल तैनात रहेगा और विभिन्न सुरक्षा एजेंसियां प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के दौरान कड़ी निगरानी रखेंगी।

चुनावी लेखाजोखा लेकर आए मोहन-वीडी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र में चुनावी नतीजों के पहले भाजपा और कांग्रेस के बीच परिणामों को लेकर जुबानी जंग तेज हो रही है। वहीं हाल में मप्र की कुछ घटनाओं को लेकर भी दोनों शिविरों में तनातनी है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने आज प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा के साथ मोर्चा संभाला और कांग्रेस को निशाने पर लिया। उन्होंने दावा किया कि मप्र में भाजपा को पूरी 29 सीट व 68 फीसदी वोट मिलने जा रहे हैं। भाजपा के 80 फीसदी बूथ पर विजय प्राप्त करेगी। शर्मा ने कहा कि मप्र में भाजपा ने पूरी टीम स्पिरिट के साथ चुनाव लड़ा है। पार्टी की 1100 नुक्कड़ सभा में ही

30 लाख लोग जुटे। हालांकि दोनों के मोर्चा संभालने से पहले कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने नर्सिंग घोटाले,कर्ज,दलित आदिवासी उत्पीडन को लेकर कई सवाल दाग दिये।

सरकार की सक्रियता पर कांग्रेस के सवालः मध्यप्रदेश के अशोकनगर जिले में एक युवती के

साथ दुष्कर्म और बाद में उसके और उसके परिजन के साथ की गई दहशतगर्दी को लेकर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने सरकार की सक्रियता पर सवाल उठाते हुए आज कहा कि क्या प्रदेश में पुलिस है और अगर है तो उसे कौन देख रहा है। दरअसल अशोकनगर के एक स्थानीय मुहल्ले की निवासी एक युवती से दूसरे समुदाय के युवक द्वारा दुष्कर्म करने और उसका वीडियो वायरल करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि दुष्कर्म के बाद युवती का विवाह कहीं और तय होने पर आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर डराया।

इधर परिणामों के पहले लड्डू-बहस

मप्र में लोकसभा चुनाव का नतीजा आने से पहले लड्डू विवाद चल रहा है। 10 से अधिक सीटें जीतने के प्रति आश्वस्त कांग्रेस ने 4 जून को लोकसभा चुनाव की मतगणना के दिन के लिए एक क्विंटल लड्डू तैयार करने का ऑर्डर दे दिया है। इस पर भाजपा ने कांग्रेस की जश्न तैयारियों पर कटाक्ष किया है। प्रदेश भाजपा मीडिया सेल प्रमुख आशीष अग्रवाल ने कहा कि यह पहली ही बार होगा कि कांग्रेस अपनी नाकामियों के लड्डू बंटवाएगी। जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी सरकार 4 जून को सत्ता में वापस आएगी। अगर कांग्रेस इसका जश्न मनाना चाहती है, तो उसका स्वागत है। सरकार ऐतिहासिक और प्रचंड बहुमत के साथ वापस आएगी और देश इसका जश्न मनाएगा। वहीं लड्डू आर्डर देने वाले कांग्रेस प्रवक्ता अवनीश बुंदेला ने कहा कि सरकार हमारी बन रही है और लड्डू जरूर बटेंगे। कई उत्साहित पार्टी कार्यकर्ताओं ने तो मतगणना के दिन भोपाल आने के लिए रेलवे टिकट बुक करवा लिए हैं।

प्रज्जवल की कस्टडी की तैयारी में पुलिस

बेंगलुरू, एजेंसी।

यौन शोषण और सेक्स स्कैंडल के आरोपों में घिरे जेडीएस के निष्कासित सांसद प्रज्जवल रेवन्ना को रात करीब दो बजे भारत लौटते ही गिरफ्तार कल लिया गया। वह 35 दिन बाद जर्मनी से लौटा है। एसआईटी ने उसे गिरफ्तार किया। खास बात यह है कि एयरपोर्ट पर जिस टीम ने रेवन्ना को गिरफ्तार किया, उसमें सभी महिला सदस्य शामिल थीं। अगर प्रज्वल रेवन्ना दोषी सिद्ध हो जाता है तो उसे लंबी सजा हो सकती है। रेवन्ना के अब तक अलग-अलग लड़कियों के साथ 2500 से ज्यादा अश्लील वीडियो क्लिप की जानकारी सामने आ चुकी है। जांच एजेंसी को एक पेन ड्राइव मिली है, जिसमें रेवन्ना से

एयरपोर्ट पर महिला पुलिस टीम ने दबोचा

जुड़े अश्लील वीडियो हैं। पुलिस 3 अलग-अलग केस दर्ज कर चुके हैं। प्रज्वल के खिलाफ दर्ज पहला केस 47 साल की पूर्व नौकरानी के यौन शोषण से जुड़ा है। इसमें वह सहायक आरोपी है और प्रज्वल के पिता एचडी रेवन्ना मुख्य आरोपी हैं,जो जमानत पर हैं। आज प्रज्वल को मेडिकल टेस्ट के लिए अस्पताल ले जाया जा रहा है। माना जाता है कि पुलिस उसकी कस्टडी की मांग करेगी।

पहनावा देखकर मदरसा छात्रों के साथ किया था भेदभाव

लखनऊ । कानपुर सेंट्रल में आरपीएफ द्वारा 14 मदरसा बच्चों को पकड़कर कर बाल सुधार भेजने में अधिकारियों और कर्मचारियों की गंभीर भूमिका सामने आई है। राज्य अल्पसंख्यक आयोग में इस मामले की सुनवाई के बाद उनके इस कृत्य को भेदभावपूर्ण माना गया है। टोपी-पाजामा में बच्चों को देखकर ये कार्रवाई की गई। आयोग ने दोषी अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की संस्तुति की है। आयोग ने रेलवे सुरक्षा बल नार्थ सेंट्रल रेलवे के वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त (प्रयागराज डिवीजन) को कार्रवाई कर सूचना देने के निर्देश दिए हैं।घाटमपुर के मदरसा इस्लामिया के प्रधानाचार्य ने उत्तर प्रदेश अल्पसंख्यक आयोग में इस मामले की शिकायत की थी। उनके मुताबिक घाटमपुर के मदरसे में पढ़ने वाले 14 बच्चे ईद की छुट्टी में अपने घर बिहार गए थे। 24 अप्रैल को सभी बच्चे वापस मदरसा जाने के लिए कानपुर सेंट्रल पर उतरे।

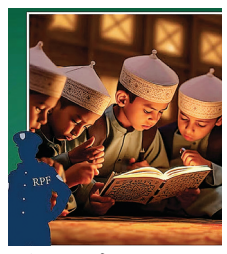

उड़ते विमान में नग्न होकर दौड़ा युवक,करानी पड़ी आपात लैंडिंग

नई दिल्ली , एजेंसी।

तकनीकी गड़बड़ी या फिर यात्रियों में किसी विवाद के चलते विमान की इमरजेंसी लैंडिंग तो करानी पड़ती है, मगर अब पर्थ से मेलबर्न जा रही फ्लाइट में जो हुआ वह कुछ ज्यादा ही हैरान करने वाला है। फ्लाइट में अचानक एक यात्री पूरी तरह नग्न होकर विमान के गलियारे में पागलों की तरह दौड़ने लगा, इसे देखकर यात्री और क्रू स्तब्ध रह गए। उसने कॉकपिट का दरवाजा भी खटखटाया और अपनी बदमाशी में एक फ्लाइट अटेंडेंट को भी गिरा दिया। शख्स की अजीब हरकतों के चलते पायलट को विमान को वापस घूमाकर पर्थ लैंड कराना पड़ा, लैंडिंग होते ही उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। उसकी पहचान जाहिर नहीं की गई है।

प्राईवेट पार्ट में सोना छिपाया, एयरहोस्टेस गिरफ्तारः केरल के कन्नूर एयरपोर्ट पर एअर इंडिया एक्सप्रेस की एक एयर होस्टेस के पास से लगभग एक किलो सोना बरामद किया गया है। पुलिस ने हिरासत में लिया है। एयर होस्टेस यह सोना मस्कट से कथित तौर पर अपने प्राइवेट पार्ट में छिपाकर ला रही थी, कहा जा रहा है कि वह पहले भी इस तरह से कई बार सोने की तस्करी कर चुकी है। आरोपी को मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया और 14 दिनों की रिमांड पर लिया गया है।

...तो बाजार 20 फीसद तक गिर सकता है

नई दिल्ली , एजेंसी।

लोकसभा चुनाव के नतीजों को लेकर बाजार भी ठिठका हुआ है। सवाल है कि यदि मौजूदा सरकार नहीं लौटती है तो क्या होगा। निवेश रणनीतिकार जितेंद्र गोहिल ने चेतावनी दी है कि अगर गठबंधन फिर सरकार बनाने में विफल रहता है तो शेयर बाजार में 20 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आ सकती है और इसे पूरी तरह से ठीक होने में समय लग सकता है।निवेशकों के लिए पोर्टफोलियो में विविधता लाना और चुनाव परिणामों से पहले जोखिम कम करना ही समझदारी है। गोहिल ने कहा कि उनकी निवेश समिति ने इक्विटी पर एक स्थिर रुख बनाए रखा है।

आपराधिक मुकदमों में डोनाल्ड ट्रम्प दोषी करार

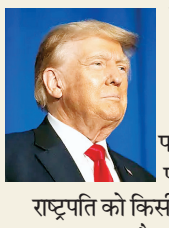

न्यूयॉर्क। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को न्यूयॉर्क में एक ऐतिहासिक आपराधिक मुकदमे में व्यावसायिक रिकॉर्ड में हेराफेरी करने के सभी 34 मामलों में दोषी ठहराया गया है। यह पहला मौका है जब किसी पूर्व या सेवारत अमेरिकी राष्ट्रपति को किसी अपराध के लिए दोषी ठहराया गया है। ट्रम्प को 11 जुलाई को सजा सुनाई जाएगी। उन्हें जेल की सजा हो सकती है , हालांकि कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह के मामलों में जुर्माना ही अधिक संभावित परिणाम हो सकता है। ट्रम्प ने फैसले को ''अपमानजनक'' बताया और मामले की अध्यक्षता करने वाले न्यायाधीश पर जुबानी हमला किया। अदालती घटनाक्रम के बाद विस्तारित कारोबार में ट्रम्प मीडिया एंड टेक्नोलॉजी ग्रुप के शेयर 6 फीसदी से अधिक गिरकर 48.66 डॉलर प्रति शेयर पर आ गए।

चुनावी सियासत

अनुमानों के इस दौर में हर व्यक्ति 'फलौदी'

हर जगह बस यही हवा है कि उनकी हवा है...!

नजरिया
आशीष दुबे

चुनाव जब तक चलते हैं,पतंग की तरह लगते हैं। जब हवा का रुख बदलता है तो पतंग भी आसमान में खामोशी से उसी दिशा में बहने लगती है। इस बार सात चरणों के चुनाव में छह चरण निपटने और सातवें की दहलीज पर हवा का रुख भांपने की उत्कंठा राजनीतिक क्षेत्रों में ही नहीं बल्कि उन तमाम क्षेत्रों में है जो राजनीति के परोक्ष या अपरोक्ष प्रभाव से अछूते नहीं हैं। इसीलिए हर व्यक्ति अपने आप में संपूर्ण 'फलौदी' है। इनके अनुमानों के बीच ख्यात सेफोलॉजिस्ट के दावे भी पतंगों की तरह हवा में यहां-वहां तैर रहे हैं। जो पुराने धाकड हैं वे चार सौ की बजाए तीन सौ से मामूली पार या दोनों गठबंधनों के लिए ढाई सौ के आसपास ठहराव की बातें कर रहे हैं। मगर लगता है, इस बार पतंग की डोर मतदाता ने कुछ ज्यादा मजबूती से थामी है, तभी तो मत प्रतिशत भी कभी लहरा तो कभी लड़खड़ा रहा है और दलों को अपनी पतंगें डावांडोल लग रही हैं।

इसीलिए परिणाम आने तक इस तरह की आंकलन यात्रा बेहद रोमांचक बन पड़ी है। यह चुनाव भाजपा में नरेंद्र मोदी,अमित शाह और मोहन भागवत (5चरण तक!) की रणनीतिक व राजनीतिक प्रतिष्ठा वाला चुनाव है। भाजपा की प्रयोगधर्मिता के इम्तिहान का भी चुनाव है। क्योंकि उसने 112 सांसदों के टिकट काटे हैं, 21 को चुनाव के पहले ही विधायक बनाने भेजा दिया था, इनमे मन से या बेमन से 12 विधायक बन चुके हैं। भाजपा की प्रतिद्वंदी कांग्रेस को देखें तो वह भाजपा के इस बार के विराट रूप के सामने अब तक के लघुत्तर रूप में है, सिर्फ 315 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। सत्ता में आने के लिए उसने कई अनचाहे समझौते किए हैं और सहयोगियों से ही मिले अपमान को चुपचाप पीया है। इस प्रयोग के चलते चार सौ पार की हवा के दौर में एआईसीसी के अंदरखाने 90 से 112 सीटों का अनुमान तैर रहा है। वह मानती है कि ये आंकड़ा एनडीए का गणित बिगाड़ने काफी होगा, तो भाजपा ने बंगाल-उड़ीसा से बोनस पाइंट लेने का वैकल्पिक प्लान पर भी काम किया।

दिलचस्प सवाल यह है कि हवा किसकी है, कांग्रेस की या भाजपा की? मोदी की या राहुल-इंडिया के चेहरों की अथवा मतदाताओं के इरादों की? मतदान के झूलते आंकडों के बीच देखें तो हवा तो मतदाता की भी नजर आती है, वह सारे स्वाभाविक व कृत्रिम मुद्दों को साथ लिए बह रही है। यानि मतदान का आखिरी चरण आते-आते लगने लगा है कि हवा तो कभी किसी की हुई नहीं, ठीक अमीक हनफी के शब्दों की तरह -'मैं हवा हूं, कहां वतन मेरा, दश्त मेरा न ये चमन मेरा..।' लिहाजा इस दौर तक पहुंचे चुनाव में लग रहा है कि नतीजे किसी केस-स्टडी की तरह होंगे। इनसे आगे तक सीखा जाएगा कि मेनिफेस्टो से भटकाव फायदे का सौदा है, 'नई नई मुद्दाकारी' ही भावी चुनावी शैली है या मुद्दों पर भरसक टिके रहकर चुनाव लड़ने की कोशिश असल चुनावी कसीदाकारी है। नतीजों के बाद कोई एक चेहरा जरूर बुदबुदाएगा- मैं कि टूटा हुआ सितारा हूं, क्या बिगाड़ेगी अंजुमन मेरा!

पारंपरिक परिधान में नर्सें

भोपाल। रविंद्र भवन में इंटरनेशनल नर्सेज मंथ 2024 के अवसर पर जेड ट्रेडिशनल रेंप वॉक हुआ रेंप पर उतरी सुनीता लॉरेंस ने बताया कि इसका थीम ट्रेडिशनल रखा गया है जिसमें सभी नर्सेस भारत के हर राज्यों के परिधान को पहनकर मंच पर उतरी। दो राउंड में आयोजित इस रिपोर्ट में मिस ट्रेडिशनल नर्स का किताब दिव्या गवे के नाम रहा इसमें नर्सों का सम्मान भी किया गया। **फोटो निर्मल व्यास**

आरजीपीवी: घोटाले की ईडी ने शुरू की जांच, तीन तक जवाब तलब

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी स्थित राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) में हुए 19.48 करोड़ के घोटाले के मामले में अब नए खुलासे हो सकते हैं। मामले में अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जांच शुरू कर दी है। ईडी ने विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार को पत्र लिखकर तत्कालीन प्रो. सुनील कुमार के कार्यकाल के बैंक अकाउंट का स्टेटमेंट सहित अन्य जानकारी मांगी है। इसका जवाब 3 जून तक देना होगा।

यूआईटी-आरजीपीवी के विद्यार्थियों ने बनाया ई-व्हीकल

एक बार पूरा चार्ज करने पर चलेगा 60 किलोमीटर

भोपाल। यूआईटी-आरजीपीवी के ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के अंतिम वर्ष के छात्रों द्वारा एक ऑफ-रोड चार सीटर इ-व्हीकल का निर्माण किया गया है। इस ई-व्हीकल के सारे उप-सिस्टम जैसे चेसिस डिजाइन, इलेक्ट्रिक ड्राइव ट्रेन, स्टीयरिंग और सस्पेंशन सिस्टम, बैटरी मैनेजमेंट सिस्टम, वायरिंग हार्न इत्यादि सभी आवश्यक उपकरणों का निर्माण छात्रों ने अपने विभाग के अध्यक्ष एवं संकाय के मार्गदर्शन में पूर्ण किया है। यूआईटी आरजीपीवी के निदेशक प्रो. सुधीर सिंह भदौरिया ने बताया की विश्वविद्यालय के मेन गेट से कैंपस के विभिन्न विभागों एवं भवनों तक पहुँचने के लिए इस ई-व्हीकल का उपयोग किया जाएगा। एक बार पूरा चार्ज करने पर यह 60 किलोमीटर के दूरी तय कर सकेगा।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर नशा ना करने का संकल्प

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

जय हिंद सेना जिला भोपाल के नेतृत्व में विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर स्मार्ट सिटी पार्क श्यामला हिल्स में युवाओं ने आम नागरिकों ने किसी भी प्रकार के नशा का सेवन ना करने का का संकल्प लिया संकल्प लेने वालों में अरुण पांडे, वीर बहादुर राणा भट्ट पीयूष रायकवार आदित्य मिश्रा कुणाल प्रजापति कपिल मेहरा रोहित तिवारी सुभाष

गोयल तरुण चौरसिया देवराज विश्वकर्मा आदि दर्जनों संख्या में युवा उपस्थित रहे।

बोरवन मार्ग पर पगड़ी रस्म के वक्त एक घंटे का जाम

सड़क की बदहाली, निजी भूमि का पेच, आना-जाना हुआ परेशानी भरा

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संतनगर के बोरवन पार्क में पगड़ी रस्म की स्थायी व्यवस्था हो गई है। लेकिन पगड़ी होने पर शाम के एक घंटे तक मार्ग पर जाम के हालात बेहद गंभीर हो जाते हैं। रास्ता भी बदहाल है, ठीक होने की उम्मीद भी नहीं है, क्योंकि निजी भूमि का पेच है।

संतनगर में पगड़ी रस्म के लिए स्थायी ठिकाना योग केन्द्र बोरवन पार्क बन गया है। केन्द्र में पगड़ी की शुरूआत तीन माह पहले हुई थी। अभी तक करीब 200 पगड़ी हो चुकी हैं। जब से योग केन्द्र में पगड़ी शुरू हुई है, तब से शाम के समय यह रास्ता पगड़ी होने पर जाम रहता है। दो और चार पहिया से आने वाले वाहन रास्ते पर वाहन पार्क करके चले जाते हैं। पगड़ी खत्म होने के बाद वाहन लेकर निकला सभी के लिए परेशानी भरा रहता है। पगड़ी में आने वाले तीन रास्तों को जाम करते हैं। पहला रास्ता कुटिया के सामने से आने वाला, दूसरा भगवान कल केन्द्र और तीसरा निर्मल नर्सरी से आना वाला मार्ग है, जहां पांच बजे से छह बजे तक जाम की स्थिति रहती है।

टहलने वालों ने समय बदला

पार्क में शाम के समय कुछ पल टहलने आने वाले अब 6.30 बजे बाद आने लगे हैं। योग केन्द्र कई बार एक से तीन चार पगड़ियां होती हैं। ऐसी स्थिति में आने वालों की संख्या में इजाफा हो जाता है।

लोगों के सुझाव दो पहिया वाहन लेकर आएं: लोग पगड़ी में आते समय चार पहिया वाहन लाने से बचे। आसपास के लोग पैदल ही पगड़ी में पहुंचे। वाहनों को भी पार्क करते समय और निकलते समय व्यवस्था अपने स्तर पर बनाना चाहिए। पहले खड़े वाहन पहले बाद में खड़े वाहन बाद में निकलना चाहिए।

व्यवस्था बनाना सबका काम

पगड़ी रस्म के लिए एक स्थान मिल गया है। यह सही है बोरवन पार्क के बाहर सड़क पर जाम लग रहा है। लोग अपने वाहन सड़क किनारे लगाकर आएं। चार पहिया वाहन की जगह दो पहिया लेकर आएं। व्यवस्था बनाने का काम सभी का है।

माधु चांदवानी महासचिव, पूज्य सिंधी पंचायत

निशुल्क पानी की सेवा

भोपाल रेलवे स्टेशन पर शरद जैन भोले संस्था द्वारा रेल यात्रियों को पानी की सेवा निशुल्क की जा रही है।

कर्मचारी मंच का जनजागरण अभियान जारी

भोपाल। मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच नेतृत्व में सरकार के खिलाफ किया जा रहे हल्लाबोल आंदोलन को व्यापक बनाने एवं अनियमित कर्मचारियों में जागरूकता लाने के लिए कर्मचारी मंच द्वारा जन जागरण अभियान शुरू किया गया है । यह अभियान वन भवन ,सीपीए भवन, नर्मदा भवन, कार्यालय मुख्य वन संरक्षक , पर्यावरण वानकी वन मंडल भोपाल सामान्य वन मंडल भोपाल में चलाया गया। मंच के प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि हाई कोर्ट जबलपुर ने 27 फरवरी 2024 को आदेश जारी किया है कि दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी एवं स्थाई कर्मियों को प्रथम नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता देकर अन्य समस्त हित लाभ दिए जाएं उच्च न्यायालय के आदेश को 3 माह का समय हो गया है लेकिन सरकार ने अभी तक इस पर अमल नहीं किया है।

मेट्रो एंकर आरोग्य केन्द्र में रोग निवारण-प्रशिक्षण शिविर का समापन

दिनचर्या में सुधार ही, अच्छे स्वास्थ्य की ओर पहला कदम है : टेवानी

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

आरोग्य केन्द्र में गुरूवार को 10 दिनी रोग निवारण एवं प्रशिक्षण शिविर का समापन हुआ। समापन से पहले अनुभव सत्र का आयोजन किया गया। सत्र की शुरूआत में आरोग्य केन्द्र के डॉ गुलाब राय टेवानी ने शिविर की गतिविधियों पर प्रकाश डाला।

डॉ. टेवानी ने कहा कि शिविर का उद्देश्य है, कैसे आहार को औषधि बनाया जाए, ना कि औषधि को आहार बनाएं। यदि सदैव स्वस्थ रहना हैं, स्थायी स्वास्थ्य लाभ लेना हैं तो प्राकृतिक चिकित्सा के अलावा दूसरा कोई रास्ता नहीं हो सकता। जब आप प्राकृतिक चिकित्सा को अपनाते हैं तो आप जीवन में सदैव के लिए निरोग हो जाते हैं और जीवन में कभी रोग नहीं

आता हैं। जब भी आहार का ग्रहण करें तो आपके मन में यह विचार होना चाहिए कि क्या यह आहार स्वास्थ्यवर्धक हैं या नहीं? अभी तक आप अनियमित दिनचर्या अपना रहे थें, लेकिन अब आपकी दिनचर्या में परिवर्तन कर दिया गया हैं, आपके मन में पूर्ण विश्वास आया कि मैं स्वस्थ हो सकता हूँ और स्वस्थ ही रहूँगा। इस शिविर में शरीर शुद्धिकरण के साथ-साथ विचारों का भी शुद्धिकरण किया गया हैं, हमें हमेशा सकारात्मक सोच रखनी चाहिए कि हम स्वस्थ है और हमेशा स्वस्थ रहेंगें, यदि हम ऐसे सकारात्मक विचार रखते हैं, तो हम कभी भी बीमार महसूस नहीं करेंगे। अनुभव सत्र में शिविरार्थियों ने अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि उन्हें दस दिनों में ही बी.पी., डायबीटिज, घुटनों के दर्द, हाथां पैरों के दर्द, अर्थराइटिस, साइनस, सरवाइकल स्पोंडिलाइटिस में काफी आराम हुआ। कार्यक्रम के अंतिम प?ाव में डॉ. लता टेवानी जी ने आभार व्यक्त कर अनुभव सत्र एवं कैम्प का समापन किया। आगामी कैम्प 01 जून से 10 जून 2024 को आयोजित किया जाएगा।

कहां- कहां से आए साधक

मध्यप्रदेश से 38, छत्तीसगढ़ से 36, महाराष्ट्र से 5, उत्तरप्रदेश से 11, दिल्ली से 3, राजस्थान् से 8, गुजरात से 9, पंजाब से 6, झारखंड से 3 कुल 120.

इन बीमारियों को इलाज

शिविर में डिप्रेशन, डायबिटीज, हायपोथायरायडिज्म, कब्ज, ऑस्टियोआर्थराइटिस, हाइपरटेंशन, मोटापा, पॉजीटिव प्रमोशन इन हेल्थ, गैस्ट्राइटिस, इनसोमनिया, माइग्रेन, हाइपरकोलेस्ट्रोलेमिया, अस्थमा, लम्बर स्पॉन्डिलाइटिस, साइटिका और फ्रोजन शोल्डर का इलाज किया गया।

यह गतिविधियां हुईं

सुबह जागरण एवं नित्यकर्म, नियमित योगाभ्यास, यौगिक क्रियाएँ, प्रातः कालीन व सायंकालीन व्याख्यान सत्र एवं शंका समाधान, प्राकृतिक चिकित्सा, प्राकृतिक आहार, ध्यानात्मक क्रियाएँ एवं आनंद मेला हुआ।

मामला निर्धारित से अधिक फीस वसूलने व पाठ्यक्रम तय करने से जुड़ा

सरकार का फरमान: गड़बड़ी करने वाले निजी स्कूलों की जांच कर 30 जून तक दें रिपोर्ट

स्कूल शिक्षा विभाग के निर्देश, जिन्होंने तय मापदंड से अलग पुस्तकें व पाठ्यक्रम थोपे, उनकी रिपोर्ट 30 जून तक दें

नियमों का पालन नहीं करने वाले निजी स्कूल संचालक, प्रकाशक और विक्रेताओं पर लटकी तलवार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मनमानी करने वाले निजी स्कूल संचालकों के खिलाफ देरी से ही सही, लेकिन सरकार ने गुरुवार को बड़ा कदम उठाया। असल में स्कूल शिक्षा विभाग ने कलेक्टरों को दो टूक कहा है कि जिन निजी स्कूल संचालकों, प्रकाशकों और विक्रेताओं के खिलाफ शिकायतें हो उनकी जांचें कर 30 जून तक रिपोर्ट दें। इसका मतलब ऐसे निजी स्कूल संचालक, प्रकाशक और विक्रेताओं पर ठीक उसी तरह कार्रवाई होनी तय है, जिस तरह हाल ही में जबलपुर में कलेक्टर दीपक सक्सेना ने की है। इसके अलावा सरकार ने निजी स्कूलों की मनमानी रोकने के लिए न केवल जांच के निर्देश दिए, बल्कि इनमें फीस व विषयों की जानकारी भी 8 जून तक तलब की है। कहा है कि ये दोनों ही सत्यापित जानकारी पोर्टल पर अपलोड करें।

मामला कुछ निजी स्कूलों द्वारा फर्जी व डुप्लीकेट आईएसबीएन पाठ्य पुस्तकों को पाठ्यक्रम में शामिल करना, फिर उन पाठ्यक्रमों को कुछ प्रकाशकों द्वारा प्रकाशित करना और प्रकाशित पुस्तकों को विक्रेताओं द्वारा बेचना है। यह कृत्य करना मप्र निजी विश्वविद्यालय (फीस तथा संबंधित विषयों का विनियमन) नियम 2020 का उल्लंघन है। स्कूल शिक्षा विभाग की उप सचिव ने गड़बड़ी करने वाले ऐसे निजी स्कूलों को अभियान चलाकर चिन्हित करने, उन पर कार्रवाई करने और सरकार को 30 जून तक रिपोर्ट सौंपने को कहा है। यह काम संबंधित जिलों के कलेक्टरों को सौंपा गया है।

आठ टीमों का गठन: राजधानी भोपाल में कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने निजी स्कूलों की जांच के लिए एसडीएम की निगरानी में आठ टीमों का गठन किया है। यह टीमें स्कूल संचालकों से सात साल का फीस का रिकार्ड लेने के साथ उनके यहां पढ़ाई जा रही किताबों के बारे में जानकारी लेंगी। टीमें तय दुकानों से कोर्स और यूनिफार्म के लिए बाध्य करने की जानकारी भी संचालकों से जुटाएंगी।

नप सकते हैं पूर्व में रहे कलेक्टर

सरकार ने गुरुवार को जांच के जो निर्देश दिए हैं, उसमें साफ लिखा है कि कुछ जिलों के निजी स्कूलों द्वारा गड़बड़ी करने की शिकायतें मिली है। इसका मतलब साफ है कि निजी स्कूलों ने कई जिलों में मनमानियां की है। विशेषज्ञों की माने तो जिन जिलों में कुछ निजी स्कूलों ने मनमानी की है, यदि वह अभियान के तहत की जाने वाली जांच में सामने आती है तो वहां के उस कलेक्टर की खिंचाई तय है, जिसके रहते निजी स्कूल संचालकों ने गड़बड़ी की थी।

आयोग ने अफसरों और जीतू ने सीएम को घेरा

21 मामलों पर एक साथ मानव अधिकार आयोग द्वारा संज्ञान लिए जाने का मामला

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मानव अधिकार आयोग ने 21 अलग–अलग मामलों पर गुरुवार को संज्ञान लेकर अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए और जवाब मांगा है तो वहीं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने आयोग की इसी कार्य प्रणाली को आधार बनाकर सीएम पर सवाल खड़े कर दिए हैं। आयोग ने अधिकारियों को बकायदा मामले गिनाएं और वजह पूछी है। अब अधिकारियों को उक्त मामलों पर रिपोर्ट देनी होगी तो वहीं जीतू पटवारी ने सोशल मीडिया के एक्स माध्यम पर सीएम मोहन यादव को टैग करते हुए लिखा कि जब सरकार के काम भी आयोग को करना है तो पर्ची प्रबंधन का औचित्य नहीं है। यानी जीतू ने सीएम पर हमला बोला। वे पहले भी जीएम को लेकर पर्ची वाली बात कहते रहते हैं। आयोग के मामलों को आधार बनाकर भी उन्होंने यही किया।

जीतू ने एक्स पर यह लिखा

एक्स पर जीतू पटवारी ने लिखा कि आयोग ने तो 21 मामलों को ही दर्ज किया और उन पर संज्ञान लिया लेकिन गंभीरता से अवलोकन किया जाए तो यह संख्या सैंकड़ों भी हो सकती है। यानी पटवारी का कहना है कि मानव अधिकार आयोग के संज्ञान लिए गए ये मामले तो महज उदाहरण मात्र है। आम जनता ऐसे कई मामलों से जूझ रही है। सीएम का बिना नाम लिए पटवारी ने लिखा कि आपकी नजर में ये मामले छोटे हों लेकिन पीड़ित और प्रताड़ित जनता के लिए परेशानी बने हुए हैं।

सीएम को सलाह भी दे डाली

जीतू पटवारी यहीं नहीं रूके, बल्कि उन्होंने सीएम को सलाह भी दे डाली और कहा कि महाकाल की कृपा से अवसर मिला है, उसका सदुपयोग करें। सीएम की ओर से देर रात तक उक्त मामले पर कोई जवाब नहीं आया था। उल्लेखनीय है कि जीतू पटवारी पूर्व में भी सीएम को लेकर पर्ची वाली बात कहते रहे हैं। जिसका कई बार अलग–अलग तारतम्य में सीएम जवाब भी देते रहे हैं।

दलितों के साथ घटनाओं की जांच के लिए कांग्रेस ने बनायी 9 सदस्यीय समिति

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देश पर सागर जिले की खुरई में घटित घटना सहित प्रदेश में अनुसूचित जाति एवं अनूसूचित जनजाति वर्ग पर हो रहे अत्याचारों की विस्तृत रिर्पोट तैयार करने हेतु कांग्रेस द्वारा 9 सदस्यीय जॉच दल का गठित किया गया है। जो खुरई की घटना सहित प्रदेश की अन्य घटनाओं को संज्ञान में लेकर विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर प्रदेश कांग्रेस को प्रेषित करेंगे। समिति में विधायक बाला बच्चन, फुलसिंह बरैया, सोहन वाल्मिकी झुमा सोलंकी , नारायण पट्टा, समेत प्रदीप अहिरवार सुरेन्द्र चौधरी, आनंद अहिरवार व किरण अहिरवार को जांच समिति का सदस्य बनाया गया है। घटनाओं की रिर्पोट के आधार पर पटवारी व नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार मुख्यमंत्री से मुलाकात करेंगे।

कांग्रेस के संविधान राग पर सीएम ने कहा- हम तो बचाने वाले

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने लोकसभा चुनाव के सातवें चरण का प्रचार समाप्त होने के ठीक पहले उत्तरप्रदेश के रॉबर्टसगंज व देवरिया लोकसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में चिलचिलाती धूम में रोड शो किया एवं जनसभा में कांग्रेस के संविधान बदलने के मामले में जवाब दिया। यादव ने कहा गांधी की बातों को कोई भी गंभीरता से नहीं लेता है। वे तर्कहीन बातें करते हैं। अब उनकी बातें देश में खत्म हो चुकी हैं। जिस तरह से राहुल संविधान को बचाने की बातें कह रहे हैं, लेकिन उन्हें यह नहीं मालूम है कि सबसे ज्यादा संविधान बदलने का काम कांग्रेस पार्टी ने किया है। प्रधानमंत्री ने तो संविधान को बचाने का बीढ़ा उठाया है। यादव ने कहा कि कांग्रेस सिर्फ एक टेम्पों की सवारी लायक रह जाएगी। क्योंकि पूरा देश मोदीमय है और हर तरफ भाजपा का माहौल है। इस बार भाजपा 370 पार और एनडीए 400 पार सीटों के साथ सत्ता में फिर से वापसी करेगी। इससे पहले मुख्यमंत्री यादव ने गुरूवार को प्रातः पंजाब प्रवास के दौरान स्वर्ण मंदिर में मत्था टेका और प्रबुद्धजनों से चाय पर चर्चा भी की। यादव ने उत्तरप्रदेश में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में इतनी भीषण गर्मी में रोड शो किया। इस दौरान रोड शो में जनसैलाब उमड़ पड़ा। मुख्यमंत्री खुले रथ में सवार होकर निकले तो उन पर जमकर फूलों की बारिश भी हुई। रथ के आगे-पीछे भाजपा कार्यकर्ता एवं आमजन भगवान श्रीराम, श्रीकृष्ण की जय-जयकार करते हुए चल रहे थे।

116 मतगणना प्रेक्षक रखेंगे नजर

इधर, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, मध्यप्रदेश अनुपम राजन ने बताया कि मध्यप्रदेश में लोकसभा निर्वाचन-2024 के सभी चार चरणों की 4 जून को मतगणना होगी। मतगणना के लिए प्रदेश में सारी तैयारी पूरी हो चुकी है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रदेश में लोकसभा निर्वाचन-2024 की मतगणना की निगरानी के लिए 116 मतगणना प्रेक्षकों की नियुक्ति की गई है। सभी 29 लोकसभा क्षेत्र में आने वाले विधानसभा क्षेत्रों के लिए नियुक्त किए गए मतगणना प्रेक्षकों की उपस्थिति में काउंटिंग की प्रक्रिया पूरी कराई जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने अग्निबाण रॉकेट के सफलतापूर्वक लॉन्चिंग पर दी बधाई

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने विश्व के प्रथम सिंगल-पीस 3डी सेमी-क्रायोजेनिक इंजन द्वारा संचालित रॉकेट अग्निबाण की अंतरिक्ष में सफलतापूर्वक लॉन्चिंग पर भारतीय वैज्ञानिकों और देशवासियों को बधाई औ मंगलकामनाएँ दी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से पूर्णतः स्वदेशी निर्मित उक्त रॉकेट का सफलतापूर्वक परीक्षण नए भारत के निर्माण का प्रतीक है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में अंतरिक्ष विज्ञान एवं तकनीक के क्षेत्र में इस सफलता से देश गौरवान्वित हुआ है। अंतरिक्ष के क्षेत्र में यह भारत का महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक कदम है।

ढाई लाख युवा परीक्षाओं की तैयारी में जुटे

पटवारी सहित 5 विभागों की भर्ती परीक्षाएं होगी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल में संचालित 200 से अधिक कोचिंग संस्थानों में इस समय आसपास के जिलों के करीब ढाई लाख युवा परीक्षाओं की तैयारी में जुटे हैं। प्रदेश में कर्मचारी चयन मंडल दिसंबर 2022 से मार्च 2023 तक चार माह में पटवारी सहित पांच विभागों की भर्ती परीक्षाएं कराएगा। इन परीक्षाओं में प्रदेश के 30 लाख से ज्यादा प्रतिभागियों के शामिल होने का अनुमान है। इसकी तैयारी युवाओं ने शुरू कर दी है। इंदौर में युवाओं का आंकड़ा 70 हजार से ज्यादा है। लाखों प्रतिभागी घर से भी तैयारी कर रहे हैं। कोचिंग संचालकों के मुताबिक, पटवारी भर्ती परीक्षा का विज्ञापन जारी होने के बाद युवाओं की भीड़ बढ़ी है। 2700 पदों के लिए यह परीक्षा मार्च में प्रस्तावित है। करीब पांच साल बाद पटवारी भर्ती निकली है। तैयारी के लिए युवाओं के पास मात्र तीन माह का समय है। इसी परीक्षा में इस बार प्रदेश से करीब 6 लाख प्रतिभागियों के बैठने का अनुमान है। इसके बाद आरक्षक और शिक्षक भर्ती परीक्षा है। इन परीक्षाओं में भी 9 से 10 लाख युवा शामिल होंगे। एक कोचिंग संस्थान में 2-2 घंटे के 3-4 बैच चल रहे हैं। कोचिंग सेंटर दो से तीन महीने तक परीक्षा की तैयारी के लिए 15 से लेकर 25 हजार रुपए तक लिए जा रहे हैं। ऑनलाइन यानी यूटयूब जैसे वीडियो प्लेटफॉर्म से पढ़ने वालों की संख्या भी हजारों में है। बड़े संस्थान ऐप के जरिए नोट्स दे रहे हैं।

इग्नू में प्रवेश के लिए आवेदन 20 दिसंबर तक

भोपाल. इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) ने बीएड, बीएससी नर्सिंग और पीएचडी प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। योग्य उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। बीएड, बीएससी नर्सिंग और पीएचडी प्रवेश परीक्षाओं के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 20 दिसंबर है।

मेट्रो एंकर | **विभागीय निरीक्षणकर्ताओं को कारण बताओ सूचना-पत्र जारी**

नर्सिंग कौंसिल के तत्कालीन अध्यक्ष और रजिस्ट्रार के विरुद्ध कार्रवाई शुरू

भोपाल, दोपहर मेट्रो। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नर्सिंग कॉलेजों की मान्यता के संबंध में हुई गड़बड़ियों को लेकर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिये हैं। प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा ने बताया है कि नर्सिंग कौंसिल के तत्कालीन अध्यक्ष तथा रजिस्ट्रार के विरुद्ध कार्रवाई प्रारंभ कर दी गयी है।

लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा सीबीआई जाँच में अनुपयुक्त पाये गये नर्सिंग कॉलेजों की मान्यता पूर्व से ही निरस्त की जा चुकी है। कॉलेजों का निरीक्षण करने वाले दलों के सदस्यों के विरुद्ध भी कठोर कार्रवाई प्रारंभ की गयी है। विभाग के कुल 111 निरीक्षणकर्ताओं को कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया है। इसके अलावा शासन ने नर्सिंग शिक्षण संस्थाओं की त्रुटिपूर्ण रिपोर्ट प्रस्तुतकर्ता राजस्व अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई प्रारंभ कर दी है।

रिपोर्ट प्रस्तुत करने वाले 14 राजस्व अधिकारियों को कारण बताओ सूचना-पत्र जारी कर दिये हैं।

प्रमुख सचिव राजस्व ने बताया कि त्रुटिपूर्ण निरीक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत करने वाले 14 राजस्व अधिकारी पल्लवी पौराणिक तत्कालीन तहसीलदार इंदौर, अंकिता यदुवंशी, तत्कालीन नायब तहसीलदार विदिशा, ज्योति ढोके तत्कालीन नायब तहसीलदार जिला नर्मदापुरम् रानू माल नायब तहसीलदार अलीराजपुर अनिल बघेल नायब तहसीलदार झाबुआ, सुभाष कुमार सुनेरे तत्कालीन नायब तहसीलदार देवास, जगदीश बिलगावे नायब तहसीलदार जिला बुरहानपुर, यतीश शुक्ला नायब तहसीलदार रीवा, छवि पंत तत्कालीन नायब तहसीलदार छिंदवाड़ा, सतेन्द्र सिंह गुर्जर तत्कालीन नायब तहसीलदार जिला धार, रामलाल पगोर नायब तहसीलदार बुरहानपुर, जीतेन्द्र सोलंकी तत्कालीन नायब तहसीलदार झाबुआ, अतुल शर्मा तत्कालीन नायब तहसीलदार सीहोर एवं कृष्णा पटेल तत्कालीन नायब तहसीलदार खरगोन के नाम शामिल हैं।

जिंदगी छोटी नहीं होती हैं...
लोग जीना ही देरी से शुरू करते हैं..!
जब तक रास्ते समझ में आते हैं,,
तब तक लौटने का वक्त हो जाता हैं...

संपादकीय

चंदे का भविष्य

देश का आमचुनाव का समापन सप्ताह शुरू हो गया है। कल मतदान के आखिरी दौर के बाद चार जून को मतगणना के साथ यह अनुष्ठान पूरा होगा। इसी दिन केंद्र में नई सरकार के गठन का रास्ता साफ हो जाएगा। मगर साफ यह है कि अगली सरकार किसी भी राजनीतिक दल या गठबंधन की क्यों न हो, उसे तत्काल अपना काम शुरू करना होगा और नीतिगत तथा प्रशासन संबंधी चुनौतियों से निपटना होगा। चुनाव के ठीक पहले फरवरी में सर्वोच्च न्यायालय के एक संवैधानिक पीठ ने चुनावी बॉन्ड योजना को रद्द कर दिया क्योंकि यह संविधान के अनुच्छेद के तहत मिले सूचना के अधिकार का उल्लंघन करती थी। सर्वोच्च न्यायालय ने इन बॉन्डों को जारी करने के लिए अधिकृत भारतीय स्टेट बैंक को यह निर्देश दिया कि वह इनके जरिए मिले चंदे का ब्योरा सार्वजनिक करे, जिसके बाद इनका मीडिया और अन्य जगहों पर गहराई से विश्लेषण किया गया। भारत में चुनावों की फंडिंग हमेशा से ही चिंता का विषय रही है और सर्वोच्च न्यायालय के इस निर्णय ने राजनीतिक पार्टियों को मिल रहे धन के बारे में सभी मसलों के समाधान का एक अवसर प्रदान किया है। उधर गृह मंत्री ने हाल में एक साक्षात्कार में इस बात पर जोर दिया कि चुनावी बॉन्ड योजना का कोई विकल्प लाना होगा। दरअसल भारतीय राजनीति में काले धन या आमतौर पर धनबल का इस्तेमाल बड़ी चिंता का विषय रहा है और अगली सरकार को इस समस्या का तत्काल समाधान करना चाहिए। अब जो भी विकल्प अपनाया जाए, उसे चुनावी बॉन्ड योजना को रद्द करने की बुनियादी वजहों का समाधान करना होगा। इस संबंध में अगली सरकार एक समिति बना सकती है जिसमें सभी राजनीतिक दलों के सदस्य हों। इसके सुझाव पर अमल से पहले संसद में गहन चर्चा होनी चाहिए। सर्वोच्च न्यायालय के आदेश की पृष्ठभूमि में किसी भी वैकल्पिक प्रणाली का शुरुआती बिंदु पारदर्शिता होनी चाहिए। अगर राजनीतिक दलों को मिलने वाले चंदे के लिए अपारदर्शी व्यवस्था अपनाई गई तो इसका कई तरह का बुरा असर हो सकता है, जिनमें नीतियों पर दबदबा शामिल है। इसके अलावा, चूंकि विचार काले धन के असर को समाप्त करने का है, इसलिए नई प्रणाली में नकद चंदे की व्यवस्था खत्म होनी चाहिए। समिति को इस पर भी विचार करना होगा कि निर्वाचन आयोग को किस तरह से मजबूत बनाया जाए ताकि यह राजनीतिक दलों की आय और खर्च पर सख्ती से निगरानी रख सके। अक्सर यह सुझाव दिया जाता है कि चुनाव सरकारी खर्च पर हो, ताकि काले धन और धनबल का असर रोका जा सके और सबको बराबरी का मौका मिले। यह तभी कारगर हो सकता है, जब राजनीतिक दलों को मिलने वाले धन की निगरानी हो तथा अन्य स्रोत से धन उगाही पर रोक लगाई जाए। वहीं ऐसा राष्ट्रीय कोष बनाया जा सकता है जिसमें सभी नागरिक और कंपनियां योगदान करें। इस तरह से जुटाए गए कोष को सभी राजनीतिक दलों में इस तरह से वितरित किया जा सकता है कि सबको बराबरी का मौका मिले। यह भी देखा जा सकता है कि राजनीतिक दल पैसा खर्च किस तरह से करते हैं। उदाहरण के लिए, चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों के लिए खर्च की सीमा तो तय की गई है, लेकिन राजनीतिक दलों के लिए नहीं, जो कि एक प्रतिस्पर्धी लोकतंत्र में संतुलन को प्रभावित कर सकता है। मगर अब जबकि मौजूदा प्रणाली रद्द हो गई है तो नई लोकसभा के समक्ष यह नई जिम्मेदारी भी होगी।

सियासत के बाद वर्तमान पर ध्यान देने का वक्त

बढ़ रहा असंतोष, शिक्षा-रोजगार के मुद्दों से निपटना बड़ी चुनौती

■ पत्रलेखा चटर्जी

बेरोजगार आबादी में माध्यमिक या उच्च शिक्षा प्राप्त युवाओं की हिस्सेदारी वर्ष 2000 में 35.2 फीसदी थी, जो 2022 में बढ़कर 65.7 फीसदी हो गई। वर्ष 2023 के लिए परिशिष्ट के साथ मुख्यत: 2000 और 2022 के बीच के आवधिक श्रमबल सर्वेक्षण और नेशनल सैंपल सर्वे के आंकड़ों के विश्लेषण पर आधरित यह रिपोर्ट बताती है कि शिक्षित युवाओं में बेरोजगारी का स्तर ऊंचा है...

चार जून को लोकसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद चाहे जो भी सत्ता में आए, कुछ ऐसे मुद्दे हैं, जिन्हें अब नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उम्मीद है कि नई सरकार कुछ कटु सच्चाइयों पर अधिक ध्यान देगी। भारत तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था है। हम अक्सर जनसांख्यिकीय लाभांश के बारे में बातें करते हैं। देश के युवा कार्यबल में आर्थिक विकास, नवाचार और उत्पादकता को बढ़ाने की क्षमता है। लेकिन अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ते उन उच्च शिक्षित युवाओं के लिए पर्याप्त संख्या में उचित रोजगार सृजित नहीं कर पा रही है, जो सुरक्षित, ऊंचे वेतन वाली व्हाइट कॉलर जॉब की उम्मीद रखते हैं। रोजगार पाने का मतलब अक्सर कम वेतन वाला, अनिश्चित काम करना होता है। पिछले हफ्ते एक खबर पर मेरा ध्यान गया, जिससे पता चलता है कि स्थिति कितनी गंभीर है। एक राष्ट्रीय अखबार की खबर के अनुसार, आईआईटी कानपुर के एक पूर्व छात्र धीरज सिंह द्वारा दाखिल आरटीआई आवेदन से प्राप्त जानकारी के अनुसार, देश के 23 आईआईटी के करीब 38 प्रतिशत छात्र अब तक बेरोजगार हैं। समाचार में सिंह के हवाले से बताया गया है कि इस वर्ष सभी 23 में 7,000 छात्रों को आईआईटी कैंपस के माध्यम से नियुक्ति नहीं मिली है। सिर्फ दो साल पहले यह आंकड़ा इसके लगभग आधा (3,400) था। सिंह ने बताया कि जहां अधिक छात्र रोजगार के लिए आवेदन कर रहे हैं, वहीं दो साल में बेरोजगार छात्रों की संख्या 2.3 गुना बढ़ गई है।

यदि यह कोई अकेला मामला होता, तो इसे नजरअंदाज किया जा सकता था, लेकिन भारत में शिक्षित युवाओं के बीच बेरोजगारी पिछले कुछ समय से बड़ी चिंता का विषय रही है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन एवं दिल्ली स्थित थिंक टैंक मानव विकास संस्थान द्वारा संयुक्त रूप से प्रकाशित इंडिया एंप्लॉयमेंट रिपोर्ट, 2024 के अनुसार, भारत के बेरोजगार कार्यबल में 83 फीसदी युवा हैं और कुल बेरोजगार आबादी में माध्यमिक या उच्च शिक्षा प्राप्त युवाओं की हिस्सेदारी वर्ष 2000 में 35.2 फीसदी थी, जो 2022 में बढ़कर 65.7 फीसदी हो गई। वर्ष 2023 के लिए परिशिष्ट के साथ मुख्यतः 2000 और 2022 के बीच के आवधिक श्रमबल सर्वेक्षण और नेशनल सैंपल सर्वे के आंकड़ों के विश्लेषण पर आधरित यह रिपोर्ट बताती है कि शिक्षित युवाओं में बेरोजगारी का स्तर काफी ऊंचा है। शिक्षा के स्तर के साथ युवा बेरोजगारी दर बढ़ी है। स्नातक या उससे ज्यादा शिक्षित युवाओं में बेरोजगारी की दर सबसे ज्यादा है और शिक्षित पुरुषों के मुकाबले शिक्षित महिलाओं में बेरोजगारी दर ज्यादा है। क्या भारत के श्रम बाजार में उनके लिए अवसर हैं, लेकिन शिक्षित युवाओं के लिए बेहतर गुणवत्ता वाली पर्याप्त नौकरी नहीं है? आंकड़े इसी तरफ इशारा करते हैं। सबसे ज्यादा परेशानी वाली बात यह है कि गरीब परिवारों के शिक्षित युवा विशेष रूप से कठिन परिस्थितियों में हैं।

रिपोर्ट बताती है कि सबसे कम मासिक प्रति व्यक्ति व्यय क्वाइंटाइल (29.4 प्रतिशत) में माध्यमिक या उच्च-माध्यमिक शिक्षा वाले युवाओं के बीच बेरोजगारी दर उच्चतम क्वाइंटाइल (25.8 प्रतिशत) वाले युवाओं की तुलना में अधिक थी। यहां बता दें कि क्वाइंटाइल किसी आंकड़े को पांच बराबर भागों में विभाजित करती है। नतीजतन युवाओं के बीच उच्च बेरोजगारी दर आंशिक रूप से व्हाइट कॉलर जॉब की आकांक्षाओं के कारण हो सकती है, जो पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं हैं। सबसे गरीब युवा, जिनके पास गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, संसाधनों और सामाजिक पूंजी का अभाव है, वे अधिक पीड़ित हैं। चिंता की बात है कि हाशिये पर पड़े अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के उच्च शिक्षित युवाओं में बेरोजगारी दर अन्य पिछड़ा वर्ग या सामान्य श्रेणी के युवाओं की तुलना में ज्यादा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सामाजिक रूप से हाशिये के युवाओं में उच्च बेरोजगारी उन चुनौतियों का संकेत देती है, जिनका सामना उन्हें बेहतर रोजगार की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए करना पड़ता है। यह प्रवृत्ति सामाजिक विषमताओं को कायम रखती है और सामाजिक रूप से ऊपर उठने में बाधा उत्पन्न करती है। क्या उच्च शिक्षित युवाओं के लिए शिक्षा के स्तर और नौकरियों के बीच विसंगति समय के साथ बढ़ी है? इंडिया एंप्लॉयमेंट रिपोर्ट, 2024 इस बारे में कुछ संकेत देती है। यह बताती है कि उच्च शिक्षित युवाओं (पुरुष एवं महिला) का एक बड़ा हिस्सा, जिसमें तकनीकी शिक्षा प्राप्त युवा भी शामिल हैं, अपनी नौकरी से ज्यादा योग्यता रखते हैं। तकनीकी शिक्षा प्राप्त युवाओं में से भी 0.4 फीसदी ऐसे व्यवसायों में लगे हुए थे, जो उनकी योग्यता के अनुरूप नहीं थे। हालांकि समग्र रूप से शिक्षा प्राप्ति में बढ़ोतरी हुई है, जिससे नौकरी की मांग रही है, जो (उच्च शिक्षित और कम शिक्षित युवाओं) में रोजगार दर को कम कर रही है और बेरोजगारी दर बढ़ा रही है। इसके चलते उच्च शिक्षित युवा भी कम कौशल वाले ब्ल्यू-कॉलर जॉब अपनाने लगते हैं।

एक और चिंतनीय विषय है कि तमाम उल्लेखनीय प्रगति के बावजूद उच्च शिक्षा प्राप्ति का स्तर अब भी निम्न बना हुआ है और गुणवत्ता चिंता का विषय है। गरीब राज्यों एवं हाशिये के समूहों में मध्य एवं माध्यमिक स्तर की शिक्षा के बाद ड्रॉप-आउट (स्कूल छोड़ने) की दर उच्च है। शिक्षा की गुणवत्ता लगातार चिंता का विषय है। स्कूली स्तर पर और सामान्य रूप से भी सीखने के स्तर में कमी आई है और उच्च शिक्षा संस्थानों द्वारा दी जाने वाली शिक्षा की गुणवत्ता खराब है। हम ऐसी स्थिति को जारी नहीं रहने दे सकते। रिपोर्ट बताती है कि योग्यताओं, आकांक्षाओं और नौकरियों के बीच विस्फोटक अंतर असंतोष बढ़ा रहा है। हालांकि ऐसे मामले अपेक्षाकृत पिछड़े राज्यों में आम रहे हैं, लेकिन अब आर्थिक रूप से ज्यादा गतिशील राज्यों में भी ऐसे मामले सामने आ रहे हैं। इसलिए अब सुदूर अतीत और सुदूर भविष्य पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय वर्तमान पर ध्यान देने का समय आ गया है।

– साभार: यह लेखक के विचार हैं।

निशाना

ख़त्म हुआ प्रचार !

– कृष्णेन्द्र राय

करके धीरे धीरे ।
ख़त्म हुआ प्रचार ।।
है भविष्य के गर्भ ।
किसको कितना प्यार ।।
मतपेटी में बंद हुआ ।
भाग्य उम्मीदवार ।।
कुछ घंटों में एक्जिट पोल ।
मिलन को तैयार ।।
फिर बातें अनाप-शनाप ।
जिह्वा कहने वाली ।।
थम गया अभियान ।
शुरू पुलाव ख़याली ।।
लोकतंत्र में है जायज़ ।
व्यक्त करना उद्गार ।।
जनसेवक इस जनता को ।
हैं मिले उपहार ।।

आज का इतिहास

- 1223 मंगोल आक्रमण-मंगोल सेनाओं ने वर्तमान-यूकेन में कलिक नदी पर काइक, गालिच और कमानों की संयुक्त सेना को हराया।
- 1279 रामेसेस मिस्र का फिरौन बन गया।
- 1669 खराब दृष्टि का हवाला देते हुए, अंग्रेजी नौसेना के प्रशासक और संसद सदस्य सैमुअल पेप्स ने अपनी डायरी में अंतिम प्रविष्टि दर्ज की, जो अंग्रेजी बहाली अवधि के लिए सबसे महत्वपूर्ण प्राथमिक स्रोतों में से एक है।
- 1727 फ्रांस, ब्रिटेन और नीदरलैंड ने पेरिस संधि पर हस्ताक्षर किये।
- 1728 रॉयल बैंक ऑफ़ स्कॉटलैंड ने अपना पहला ओवरड्राफ्ट (एडिनबर्ग के व्यापारी विलियम हॉग को 1,000) को जारी किया।
- 1740 फ्रेडरिक द्वितीय अपने पिता फ्रेडरिक विलियम आई की मृत्यु के बाद पर्शिया की सत्ता में आया।
- 1759 अमेरिका के उत्तर पूर्वी प्रांत पेनसिल्वेनिया में थियेटर के सभी कार्यक्रमों पर प्रतिबंध लगाया गया।
- 1759 पेंसिल्वेनिया प्रांत के सभी थिएटरो ने प्रस्तुतियों पर प्रतिबंध लगाए।
- 1787 लंदन के मूल लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड में पहला क्रिकेट मैच आयोजित हुआ।
- 1793 फ्रांकोइस हनरोएट के तहत नियमित सैनिकों की मांग है कि गिरोडीन को राष्ट्रीय सम्मेलन से निष्कासित कर दिया जाएगा।
- 1807 आदिम मेथोडिस्ट पूरे एक दिन के लिए इंग्लैंड के उत्तरी मिडलैंड्स में मौ कोप ऊगा था।
- 1818 पहला दारुण समाचार, समाचर डारपिन, कैरी और मार्शमैन द्वारा सेरामपुर से बंगाली भाषा में प्रकाशित किया गया था।
- 1849 ऑरिंज शीट जर्नल डे ला हे का अंतिम संस्करण प्रकाशित किया गया।
- 1862 यूसुफ ई। जॉनसन और जी। डब्ल्यू। स्मिथ के अधीन अमेरिकी गृहयुद्ध संघि सेनाओं ने रिचमंड, वर्जीनिया के बाहर सात पाइंस की लड़ाई में जॉर्ज बी। मैकलेलन के तहत केंद्रीय बलों को शामिल किया।
- 1868 पहली लोकप्रिय साइकिल दौड़ पेरिस डे सेंट-क्लाउड में आयोजित की गयी।

दलितों को शंका है कि संविधान बदला जा सकता है

■ एल. एस. हरदेनिया

देश के विभिन्न क्षेत्रों में रहने वाले दलित महसूस करते हैं कि 2024 के लोकसभा के चुनाव के बाद संविधान में परिवर्तन का प्रयास किया जा सकता है। वे यह भी महसूस करते हैं कि ऐसा न हो सके इसलिए दलितों को स्वयं को एक सूत्र में बांधना चाहिए। अभी हाल में बड़ी संख्या में दलित उस स्थान पर एकत्रित हुये थे जिसे चैत्याभूमि के नाम से जाना जाता है। यह वह स्थान है जहाँ बाबासाहेब अम्बेडकर का 1956 में मृत्यु के बाद अंतिम संस्कार किया गया था। इसी स्थान पर एक 15 साल का बालक वहाँ बने एक किताब के स्टॉल से संविधान की एक प्रति खरीदता है। महाराष्ट्र में विवाह और जन्म उत्सव के दौरान संविधान की प्रति उपहार के रूप में भेंट करना लोकप्रिय हो रहा है। बालक के साथ उसके पिता भी थे। वे कहते हैं कि इस समय जारी बहस के कारण संविधान के प्रति आम लोगों में उत्सुकता बड़ी है। वे यह स्वीकार करते हैं कि जिस संविधान को खतरा महसूस किया जा रहा है उस संविधान में परिवर्तन करना इतना सरल हैड़ क्या परिवर्तन को उचित ठहराना संभव हैड़

वे सत्ताधारी दल (भाजपा) द्वारा इस संबंध में जारी अभियान का उल्लेख करते हैं। वहीं विरोधी दल बार-बार यह कह रहे हैं कि संविधान बदला जायेगा। इस बहस के बीच दलित पूरी मुस्तैदी से संविधान की रक्षा के लिये एकजुट हो रहे हैं। वे ऐसा डॉ. अम्बेडकर के प्रति अपनी आस्था जोरदार ढंग से प्रगट कर रहे हें। वे इस बात को जानते हैं कि वे डॉ. अम्बेडकर ने दलितों को पहचान दी है। एक बुक स्टॉल के संचालक जिन्होंने अपने पिता से इसे पाया है कहते हैं कि संविधान हमारे देश के लोकतंत्र की आत्मा है। उसे शंका है कि जो संविधान के प्रभाव का कम करना चाहते हैं वे वास्तव में मनुस्मृति के माध्यम से समाज को हजारों वर्ष पीछे करना चाहते हैं।एक तरफ यह बहस जारी है वहीं दूसरी ओर दलितों पर अत्याचारों में बड़ोतरी हो रही है। उन अत्याचारों का सामना करने के लिये संगठित नेतृत्व का भारी अभाव है।

प्रसिद्ध लेखक अर्जुन डांगले कहते हैं कि भीतर ही भीतर दलितों में भाजपा के विरूद्ध भारी गुस्सा है। न सिर्फ गुस्सा है वरन् यह भावना जोर पकड़ रही है कि उनके साथ धोखा किया गया है। मुंबई के रामबाई नगर में दलितों को संगठित करने के लिये प्रचार किया जा रहा है। प्रचार के दौरान यह कहा जा रहा है कि अम्बेडकर हमारे लिये सब कुछ हैं। हम उनके द्वारा निर्मित संविधान पर किसी तरह का समझौता नहीं कर सकते। मुझे पूरा भरोसा है कि 2024 के चुनाव के बाद दलित अपने अधिकारों के लिए एक होंगे। भले ही हमारा कोई नेता हो या नहीं, दलित आंदोलन कभी एक नेता का पिछलग्गू नहीं रहता। आम दलित यह महसूस करता है कि जब उस पर अत्याचार होता है तो उच्च जाति के लोग कम ही उसकी भर्त्सना करते हैं। अमरीका में यदि किसी नीग्रो पर जुल्म होता है तो बड़ी संख्या में वहां के गोरे उसका विरोध करते हैं। रैली निकालते हैं, जुलूस निकालते हैं। परन्तु हमारे देश में जब भी कोई दलित दबंगों की ज्यादतियों का शिकार होता है तो उच्च जाति के लोग मोन होकर देखते रहते हैं। मेरा स्वयं ऐसा अनुभव है। मैंने अपने अनेक साथियों के साथ दलितों पर हुये अत्याचारों का विरोध किया है और इस काम में राजनीतिक पार्टियों का सहयोग मांगा। मुझे कम ही मामलों में समर्थन मिला है। इस तरह के मामलों में भाजपा और कांग्रेस का रवैया लगभग एकसा ही रहता है।

यहाँ मैं अभी हाल में घटित एक घटना का उल्लेख करना चाहूंगा। यह घटना मध्यप्रदेश की है। अशोक जिले के एक गांव में एक वृद्ध दलित दंपत्ति को खंभे से बांधकर लगातार पीटा गया। जूतों का हार बनाकर पहनाया गया। गांव में दबंगों की युवती के साथ छेड़छाड़ की गई। दबंगों को संदेह था कि इस काम में इस वृद्ध दंपत्ति के बेटे का हाथ है। यह घटना कुछ महीने पहले की थी। संदेह के आधार पर दबंगों ने दंपति पर हमला किया। उन्हें तरह-तरह के तरीकों से सताया जाने लगा। इससे परेशान होकर वृद्ध दंपत्ति अपने पूरे परिवार के साथ गाँव छोड़कर चला गया। कुछ समय बीतने के बाद वृद्ध दंपत्ति वापस आ गया। यह पता लगने के बाद लड़की के परिवार वालों ने उस 65 वर्ष के वृद्ध और उसकी 60 वर्षीय पत्नी को एक खंभे से बांधा और लगातार उनकी पिटाई की और जूतों का हार पहनाया गया। पत्रकारों से बात करते हुए वृद्ध ने बताया कि जब हम वापस आये तो 10-12 लोग हमारे घर में घुस गये। हमें पीटने लगे। हमें रस्सी से बांधा और अपने घर ले गये। उसके बाद उन्होंने हमें एक खंभे से बांध दिया। उन्होंने हमें बहुत मारा और फिर जूतों का हार पहनाया। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। जिसने हमें उनके चंगुल से छुड़ाया गया। इसके अतिरिक्त इन लोगों ने हमारी फसल नष्ट कर दी और हमारे घर का ताला तोड़कर जो कुछ था उसे भी नष्ट कर दिया। इस तरह की घटना आये दिन समाचार पत्रों में पढ़ने को मिलती हैं। इनकी बहुसंख्यक समाज निंदा नहीं करता है। यदि सर्वाधिक चिंता की बात है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, यह उनके विचार हैं)

मतगणना के साथ कर्मचारियों को दिया सिलिंग का प्रशिक्षण

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश में लोकसभा निर्वाचन सभी चरणों में पूर्ण हो गए हैं अब आयोग द्वारा मतगणना की कवायद शुरू हो रही है। भारत निर्वाचन आयोग के अनुसार 4 जून 2024 को मतगणना होगी जिला निर्वाचन अधिकारी नर्मदा पुरम के निर्देश अनुसार मतगणना कर्मियों को विभिन्न चरणों में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। मतगणना के पश्चात सिलिंग का कार्य भी किया जाना है जिसके लिए सिवनी मालवा की जनपद पंचायत सभागृह में तहसीलदार राकेश खजूरिया की उपस्थिति में मतगणना में संलग्न कर्मचारियों को मास्टर ट्रेनर्स प्रकाश व्यास द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में बताया गया कि मतगणना के पश्चात कंट्रोल यूनिट से बैटरी निकाल कर नई एड्रेस ट्रैग लगाकर सील करना है वीवीपैट की बैटरी निकालना है तथा उसकी पर्चियो को काली लिफाफे में विशेष सील लगाकर पैक करना है। अन्य लिफाफा की भी पैकिंग किया जाना है जिन कर्मचारियों की ड्यूटी सीलिंग कार्य में लगी हुई है उनके मतगणना स्थल पर प्रवेश के लिए पहचान पत्र बनाए जा रहे हैं जिसके लिए संबंधित कर्मचारियों से तो फोटो मांगी गई है। बिना प्रवेश पत्र के मतगणना स्थल पर प्रवेश नहीं दिया जाएगा प्रशिक्षण में निर्वाचन कार्यालय प्रभारी पंकज परसाई, निर्वाचन मीडिया प्रभारी राममोहन रघुवंशी तथा प्रशिक्षण के सभी कर्मचारी उपस्थित थे।

माखन नगर से पिपरिया की ओर जाने वाली सड़क के चौड़ीकरण एवं नवनिर्मित आईटीआई भवन का अवलोकन

कलेक्टर ने जेसीबी से सड़क खुदवाकर उसका लेयर देखा

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

कलेक्टर ने गुरुवार को नर्मदापुरम जिले के भोपाल तिराहा से बुदनी तक बनने वाली निर्माणाधीन सड़क एवं ब्रिज का अवलोकन किया। उन्होंने तवा नदी पर फोरलेन उच्च स्तरीय ब्रिज निर्माण के कार्य का भी निरीक्षण किया। कलेक्टर ने माखन नगर पहुंचकर नवनिर्मित आईटीआई भवन का अंदर से अवलोकन किया। माखन नगर में ही उन्होंने पिपरिया की ओर जाने वाली सड़क चौडीकरण के कार्य का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने माखन नगर में सीएम राईज स्कूल का निरीक्षण किया।

कलेक्टर ने भोपाल तिराहा से बुदनी तक जाने वाले पहुंच मार्ग एवं उच्च स्तरीय ब्रिज के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। सड़क एवं ब्रिज के निरीक्षण के दौरान उन्होंने इस बात की जांच की की सड़क व ब्रिज निर्धारित मापदंड के अनुसार बन रही है कि नहीं। उन्होने मौके पर ही जेसीबी से सड़क खुलवाकर उसका लेयर देखा। बताया गया की नई रोड सीधे बुदनी को कनेक्ट करेगी। नर्मदा नदी पर जो उच्च स्तरीय सेतु एवं पहुंच मार्ग का निर्माण किया जा रहा है उस निर्माण कार्य की लागत 129.68 करोड रुपए है। ब्रिज की लंबाई 780.80 मीटर एवं पुल की चौड़ाई 12 मीटर है। ब्रिज की ऊंचाई 21 मीटर है जो की पुराने पुल से 1 मीटर अधिक है। ब्रिज का कार्य लगभग लगभग पूर्ण हो चुका है। सड़क का कार्य प्रगति पर है। एसडीओ ब्रिज कॉरपोरेशन आत्माराम मौरे ने बताया कि इस पुल एवं सड़क के बनने से नर्मदा पुरम से सीहोर जाने वालों को लाभ होगा, साथ ही नर्मदा पुरम से आम जनों को भी आने जाने में सुविधा होगी। इसके साथ ही सलकनपुर जाने के लिए भी इस पुल का उपयोग किया जाएगा। पुल का एवं सड़क का कार्य 2024 में पूर्ण हो जाएगा। कलेक्टर ने तवा नदी पर चार लेन उच्च स्तरीय सेतु का निर्माण के कार्य का निरीक्षण किया। बताया गया कि चार लेन उच्च स्तरीय पूल का निर्माण 148.97 करोड रुपए की लागत से किया जाएगा। पूल अत्यंत महत्वपूर्ण सेतु है। नवीन पुल निर्माण होने से यातायात में बहुत ज्यादा लाभ होगा। पर्यटन के लिए भी आने जाने एवं नर्मदापुरम आने जाने वाले लोगों को लाभ होगा। पुल फोरलेन होने से भविष्य में बढ़ने वाला यातायात भी सुगमता से सुचारू रहेगा। फोरलेन पुल का निर्माण कार्य 2026 तक पूर्ण कर दिया जाएगा। कलेक्टर ने निर्देश दिए की ब्रिज पुरी गुणवत्ता के साथ बनाई जाए। निर्धारित मापदंड का अनिवार्य रूप से पालन किया जाए।

कलेक्टर ने माखन नगर से पिपरिया की ओर जाने वाली 2.7 किलोमीटर सड़क के चौड़ीकरण के कार्य का निरीक्षण। निरीक्षण के दौरान के उन्होंने साइड में गड्ढा कर सड़क की स्थिति का अवलोकन किया। बताया गया कि सड़क में गिट्टी डालकर सीआरएम डालेंगे। इसके दोनों किनारो पर चौड़ीकरण का कार्य किया जाएगा। बताया गया कि सड़क के दोनों और सात -सात मीटर चौड़ीकरण का कार्य किया जाएगा। बीच में 1 किलोमीटर का डिवाइड रहेगा और पटरी भी बनेगी। बाबई के शहरी क्षेत्र में सड़क स्थित होने के कारण ट्रैफिक एवं अन्य समस्याएं होती है। चौड़ीकरण होने से ट्रैफिक की समस्या से निजात मिलेगी। वर्तमान में सड़क 2 लाइन है जिसे फोरलेन किया जाएगा। इससे बाबई गेटअप में आ जाएगा। बताया गया कि लोक निर्माण विभाग 14 नवंबर 2024 तक उक्त सड़क का निर्माण कार्य पूरा करके देगा। बताया गया कि 1. 22 किलोमीटर सड़क में डामरीकरण एवं 1.48 किलोमीटर सड़क में सीसी रोड रहेगा। कलेक्टर ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारी को समय सीमा में कार्य करने के निर्देश दिए साथ ही कहां की निर्माण एजेंसी गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें।

कलेक्टर ने माखन नगर में नवनिर्मित आईटीआई भवन का अंदर से अवलोकन किया। बताया गया की 15 जून को भवन को हैंडोवर कर दिया जाएगा। इसके बाद नियमित रूप से कक्षाएं शुरू हो जाएंगी। आईआईटी भवन में लैब, डायनिंग एरिया, किचन स्टोर्स प्लांटेशन एवं क्लास रूम का निरीक्षण किया। भवन निर्माण की एजेंसी पीआईयू है।

कलेक्टर ने माखन नगर में निर्माणाधीन सीएम राइज स्कूल का निरीक्षण किया। बताया गया कि 41 करोड रुपए की लागत से निर्मित स्कूल निर्माण की स्वीकृति 7 जुलाई 2023 को प्राप्त हुई थी। 18 माह में निर्माण कार्य पूरा कर लिया जाएगा। वर्तमान में शाला भवन को भविष्य में छात्रों की संख्या को दृष्टिगत रखते हुए हरित भवन एवं वातावरण के अनुकूल डिजाइन के आधार पर प्राकृतिक प्रकाश एवं हवादार भवन के रूप में विकसित किया जाएगा, विभिन्न शारीरिक क्षमता वाले छात्रों के लिए भी इसमें समुचित प्रावधान है। भवन में दो मंजिला है जिसने लिफ्ट भी लगेगी। भवन के अलग-अलग हिस्सों में निर्माण कार्य किया जा रहा है। भवन में डांस क्लास रूम, म्यूजिक रूम, प्राचार्य एवं उप प्राचार्य कक्ष, कॉन्फ्रेंस हॉल डाइनिंग, किचन, सुसज्जित लैब क्लासरूम विभिन्न गतिविधियों के लिए पर्याप्त स्थान बनाया जाएगा जिससे शिक्षा हेतु कंडक्टिव वातावरण उपलब्ध हो सके। कलेक्टर ने निर्माण कार्य की सराहना करते हुए कहां की ऐसे ही गुणवत्ता पूर्वक कार्य किए जाएं।

निरीक्षण के दौरान एसडीएम नीता कौरी, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग संजय रैकवार, एसडीओ राजीव पाठक, एसडीओ ब्रिज कॉर्पोरेशन आत?माराम मौरे, कार्यपालन यंत्री पी.आई.यू. मयंक शुक?ला, तहसीलदार सुनील गढवाल सहित संबंधित अधिकारीगण मौजूद रहे थे।

महर्षि गुरुकुल आश्रम के नए भवन का भूमिपूजन 2 को

इटारसी। गुजरात के मातुश्री काशीबा हरिभाई गोठी चेरिटेबल ट्रस्ट सूरत द्वारा, महर्षि दयानंद गुरुकुल आश्रम जमानी में एक नया भवन निर्मित करके दिया जाएगा। इसकी स्वीकृति ट्रस्ट ने दे दी है। इसमें मुख्य दानदाता केशूभाई हरीश भाई गोठी और सहयोगी दाता सतीश भाई विट्ठलभाई विठानी हैं। आश्रम से जुड़े आर्य समाज के बालकृष्ण मालवीय ने बताया कि परोपकारिणी सभा अजमेर द्वारा संचालित महर्षि दयानंद गुरुकुल आश्रम परिसर जमानी में नये भवन का भूमिपूजन कार्यक्रम 2 जून रविवार को सुबह 8 बजे होगा। इस दौरान परोपकारिणी सभा के मंत्री/प्रधान स्वागमी ऋतस्पति महाराज नर्मदापुरम और हेमंत दुबे, अनिता दुबे जमानी भूमिपूजन करेंगे।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में किया मॉक ड्रिल

अस्पताल में लगी आग को कर्मचारियों ने बुझाया

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

सिवनी मालवा कलेक्टर नर्मदापुरम के निर्देशानुसार, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) की उपस्थिति मे आगजनी से निपटने के लिए मॉक ड्रिल कर आगजनी से बचाव के लिए अभ्यास किया गया एवं आगजनी से होने वाली दुर्घटना से निपटने के लिए आवश्यक सुरक्षा उपकरणों के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही अस्पताल में जाकर सुरक्षा उपकरणों को भी जांचा गया है अस्पताल के कर्मचारियों को अग्निशमन के फायर मैन द्वारा अग्नि दुर्घटना के बचाव के उपकरणों की जानकारी दी गई उन्होंने बताया कि अग्नि दुर्घटना होने पर किस प्रकार से आग को बुझाना है बिजली की आग एवं अन्य आग से बचने के लिए एबीसी फायर उपकरण का उपयोग एवं कार्बन डाइऑक्साइड फायर सेफ्टी उपकरण का किस तरह से उपयोग करना चाहिए इसकी जानकारी दी गई। इस दौरान एसडीम सरोज परिहार, सीएमओ शीतल भलावी, डॉ.कांति भास्कर, डॉ. शेखर रघुवंशी, सुरेश रघुवंशी नगर पालिका से मुख्य लिपिक संजय गोयल, उपयंत्री चंद्रकांत कंवर, राजस्व उप निरीक्षक अमर सिंह उईके, स्वच्छता निरीक्षक डॉ प्रशांत कुमार शर्मा, नगर पालिका एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

खुले में बेच रहे थे पराठा, चावल और समोसे, 5000 रुपए का अर्थ दंड

इटारसी। स्टेशन पर वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया के निर्देशन में मंडल वाणिज्य प्रबंधक पंकज कुमार दुबे द्वारा खानपान इकाइयों की जांच की गई द्य जांच के दौरान एक कैटरिंग एक स्टॉल पर जनता खाना उपलब्ध नहीं पाये जाने पर, खुले चावल स्टाल पर उपलब्ध पाए जाने पर जिनको स्टाल से हटवाकर नष्ट करवाया गया, स्टॉल की साफ सफाई असंतोषजनक पाए जाने पर, शिकायत एवम सुझाव नंबर 139 का उचित स्थान पर प्रदर्शित न करने पर, दर सूची में स्टेंडर्ड चाय के दर प्रदर्शित न करने पर, स्टॉल पर बिल मशीन उपलब्ध नहीं पाए जाने पर, स्टॉल पर बेबी फ़ूड उपलब्ध नहीं पाये जाने पर, समोसे खुले में रख कर बेचते पाए जाने पर, जिनको स्टाल से हटवाकर नष्ट करवाया गया, चाय का गिलास निर्धारित मात्रा से कम का पाये जाने पर, चावल के पैकेट नियमानुसार पैक नही पाए जाने पर, जिनकी जांच कराने हेतु स्वास्थ्य निरीक्षक को निर्देशित किया गया, परांठे खुली अवस्था में पाए जाने पर स्टाल से हटवा कर नष्ट करवाया गया और स्टाल संचालक पर 5000 हजार रुपए का अर्थ दंड अधिरोपित किया गया। उपरोक्त कमियों को दूर करने के लिए लाइसेंसी के प्रतिनिधि कर्मचारियों को निर्देश दिए गए एवं समय समय पर खानपान स्टॉल जांच हेतु रेल कर्मचारियों को निर्देशित किया गया।

पूर्व संचालक मत्स्य उद्योग झारखंड ने मत्स्य पालन गतिविधियों का किया अवलोकन

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

पूर्व संचालक मत्स्योद्योग झारखण्ड राजीव कुमार आईएएस ने गत दिनों जिले में मत्स्य पालन से संबंधित संचालित विभिन्न गतिविधियों जिसमें तालाब निर्माण, रिर्सकुलेटरी एक्वा कल्चर सिस्टम आरएएस, बायोफ्लॉक, इत्यादि का निरीक्षण किया। सहायक संचालक मत्स्योद्योग नर्मदापुरम वीरेन्द्र चौहान ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि राजीव कुमार ने सोहागपुर विकासखण्ड में स्थित कस्तूरी कृषि फार्म में किए जा रहे मत्स्य पालन के कार्यों का अवलोकन करते हुए उनके द्वारा जिले में किए जा रहे मत्स्य पालन से संबंधित गतिविधियों की सराहना की तथा तकनीकी रूप से मत्स्य कृषकों से चर्चा की गई। उन्होंने मत्स्य पालकों को तकनीकी सलाह प्रदाय की तथा जिले में किए जा रहे मत्स्य पालन के कार्यों से प्रसन्नता व्यक्त की।

आरटीओ ने ओवरलोड डंपरों पर 44 हजार का चालान किया

5 ऑटो एवं 1 बस जप्त की

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

आरटीओ द्वारा जिले में ओवरलोड वाहनों पर लगातार कार्यवाही की जा रही है। आरटीओ ने गुरूवार को ओवरलोड डंपरो पर 44 हजार 500 सौ रूपये का चालान किया। तथा 5 ऑटो एवं 1 यात्री बस जप्त की। कलेक्टर सोनिया मीना एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. गुरूकरन सिंह के निर्देशानुसार संयुक्त टीमों द्वारा जिसमे एसडीएम श्रीमति नीता कोरी, आरटीओ अधिकारी निशा चौहान, तहसीलदार अनिल सिंह, तहसीलदार देवशंकर धुर्वे, तहसीलदार शक्ति सिंह, खनिज अधिकारी देवेश मरकाम के नेतृत्व में जांच टीम द्वारा माखन नगर स्थित जावली घाट, हरदा रोड स्थित नानपा घाट तथा नर्मदापुरम स्थित करबला घाट, बांद्राभान घाट पर जांच की गई जिसमे जांच के दौरान 3 डंपर ओवरलोड पर जाने पर 44 हजार 500 सौ रूपए की चालानी कार्यवाही की गई। संयुक्त कार्यवाही के बाद अन्य यात्री वाहनों को जांच में इटारसी रोड पर 5 यात्री ऑटो बिना दस्तावेज यात्री ले जाते पाए गए, जिन्हें जप्त कर आरटीओ कार्यालय में खड़ा करवाया गया। इसके साथ ही एक यात्री बस क्रमांक रुक्क37क्क0181 अत्यंत जर्जर हालत में पाए जाने पर आरटीओ अधिकारी द्वारा बस में सवार यात्रियों को बस स्टैंड पर उतार कर बस को आरटीओ कार्यालय में खड़ा करवाया गया तथा सीहोर आरटीओ को पत्र लिखकर फिटनेस निरस्त करने की कार्यवाही करवाई जा रही है।

आरटीओ श्रीमति निशा चौहान ने बताया कि जिले की सभी तहसीलों में आरटीओ जांच दल द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है। कार्यवाही जो आगे भी सख्ती के साथ जारी रहेगी, जांच दल में आरटीओ अधिकारी के साथ आरक्षक दीपक उपाध्याय, सिपाही राकेश चौरे, उदयभान शर्मा, गोलू पटेल, कीर्ति वर्मा, शुभम, विनोद शामिल रहे।

मेट्रो एंकर

नपा कर्मचारी मजदूर संघ ने प्रभारी लेखपाल की कार्यशाली पर उठाए सवाल

शासन के आदेशों की अवमानना करके स्थापना-लेखा शाखा के कर्मचारियों का किया जा रहा है आर्थिक शोषण: वर्मा

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

नगर पालिका कर्मचारी मजदूर संघ के कार्यकारी अध्यक्ष महेश वर्मा ने बताया है कि संचनालय नगरीय प्रशासन आदेश दिनांक - 18/01/2021 में स्पष्ट किया गया है की कर्मचारियों की आर्थिक कठिनाइयां देखते हुए माह के प्रथम दिन यानि एक तारीख में मासिक वेतनों का भुगतान किया जावे जिसका पालन आज तक देखने में नहीं आया है दूध वाला, किराना दुकान, स्कूल फीस, दवाई दुकान पर डेढ़ माह की उधारी चढ़ जाती हैं जिन कर्मचारियों ने बैंक से लोन लिये है उनकी डबल किश्त बैंक में कट जाने से हमेशा ही आर्थिक संकट कर्मचारियों पर बना रहता है विश्वनीय सूत्रों से जानकारी मिली है कि गुरूप व श्रेणी के अनुसार सातवें वेतनमान कि अंतिम किश्त राशि का भुगतान करने का मन नगरपालिका सीएमओ ने बना लिया था परंतु चपरासी से बाबू बने प्रभारी लेखापाल के बहकावे के कारण सातवें वेतनमान कि अंतिम किश्त राशि के भुगतान का मामला अधर में लटक गया है. मंत्रालय आदेश दिनांक - 27/08/2018 में कार्यभारित, आकस्मिक सेवा, दैनिक वेतनभोगी, विनियमित कर्मचारियों के आर्थिक हित संरक्षण में सेवानिवृत्त अथवा सेवाकाल में मृत्यु होने पर उपादान भुगतान अधिनियम 1972 के प्रावधान के अनुसार (ग्रेच्युटी) के उपादान राशि का भुगतान किया जावे को लेकर नगरपालिका की आवक-जावक शाखा में मजदूर संघ के द्वारा पत्र दिये गये है जिसमें नगरपालिका कि पीआईसी बैठक दिनांक - 12/08/2005 के अनुसार दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों कि सेवाकाल में मृत्यु होने पर उनके आश्रितों को दाह-संस्कार अनुग्रह राशि का भुगतान किसी भी कर्मचारी को आज तक नहीं किया गया है, मंत्रालय आदेश दिनांक - 30/05/2013 कि कंडिका क्रमांक - 6 (1) के पालन में सेवानिवृत्त के पश्चात सरकार अंशदान राशि का भुगतान भी किसी भी दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी को नहीं किया गया है इस संबंध में व मासिक वेतन भुगतान के संबंध में बारंबार ज्ञापन देने के बाद भी मासिक वेतनो का सही समय पर भुगतान नहीं किया जा रहा है उपादान राशि, दाह-संस्कार अनुग्रह राशि, सरकार अंशदान राशि का भुगतान न करके शासन के आदेशो कि अवमानना तो स्थापना शाखा, लेखा शाखा के द्वारा कि जा रही हैं साथ कर्मचारी/ श्रमिकों को आर्थिक छति पहुंचाकर उनका शोषण भी किया जा रहा है.

मजदूर संघ नगरपालिका सीएमओ से निवेदन के साथ अपेक्षा करता है कि शासन के आदेशो के पालन में कर्मचारियों के आर्थिक हित संरक्षण में भुगतान को लेकर सही समय पर संबंधित शाखाओं के द्वारा कार्यवाही कि जावे विभागों के द्वारा मासिक वेतन पत्रक (मस्टर) भुगतान को लेकर तैयार किये गये है या नहीं किये गये है इस पर संज्ञान लेकर कर्मचारियों के आर्थिक हित संरक्षण में उचित कार्यवाही करे।

खेतों में लहराने लगी मूंग की फसल, किसानों के चेहरे खिले

तीसरी फसल का विकल्प बनी मूंग, किसानों का बढ़ रहा रुझान

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

सिंचाई के साधन सीमित होने के कारण किसान रबी और खरीफ फसल पर निर्भर रहते हैं, लेकिन जिन किसानों के पास सिंचाई के साधन उपलब्ध हैं अब वह गर्मी के मौसम में तीसरी फसल का लाभ भी ले रहे हैं।

हरदा-होशंगाबाद और नरसिंहपुर के बाद अब विदिशा जिले में भी मूंग की फसल किसानों की तकदीर बदल रही है। गर्मी के मौसम में अब तक किसान अपने खेत खाली छोड़ते आए थे, लेकिन कोरोना में खाली बैठे किसानों को पड़ोसी जिलों से प्रेरित होकर आय का नया स्रोत दिया है। निश्चित स्थान पर पर्याप्त पानी होने से जिले में किसानों ने गर्मी में मूंग उगाकर एक साल में तीसरी फसल लेने की तैयारी में है। कृषि विभाग के मुताबिक किसानों की यह आय सिर्फ 60 दिनों की है और आगामी वर्ष में मूंग का ग्रीष्मकालीन रकबा और अधिक बढ़ाया जाएगा।

देसी खाद का करना होगा उपयोग - कृषि विभाग के अनुसार किसान तीन फसल ले रहे हैं और यह अच्छी शुरुआत है, लेकिन जमीन की उर्वरा शक्ति बनी रहे, इसके लिए ज्यादा से ज्यादा देशी खाद का उपयोग करना होगा। देशी खाद का उपयोग करने से फसलों का उत्पादन बढ़ेगा।

इनका कहना है

क्षेत्र में इस फसल से किसानों की आय बढ़ेगी। कम दिनों की फसल है और लागत भी कम लगती है। पहली बार इतने रकवा में बोवनी हुई है और यह अच्छी शुरुआत है हम इसके लिए लगातार संवाद कर किसानों को प्रेरित करने का कार्य कर रहे हैं।

***वीरेंद्र मालवीय** वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी, सिरोंज*

साइलेंसर लगाकर शहर का माहौल बिगड़ने वाले और हुड़दंग करने वाले युवकों पर की कार्यवाही

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

पुलिस अधीक्षक विदिशा दीपक कुमार शुक्ला सर द्वारा दिए गए आदेश के पालन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विदिशा डॉ. प्रशांत चौबे और एसडीओपी सिरोंज उमेश कुमार तिवारी के मार्गदर्शन में सूबेदार रितेश वाघेला यातायात प्रभारी सिरोंज द्वारा चौकिंग अभियान चलाकर आज को शहर में 'तेज गति से मोटर साइकिल चलाकर एवम् तेज फटाखे की आवाज वाले साइलेंसर लगा कर शहर का माहौल बिगाड़ने वाले और हुड़दंग' करने वाले नवयुवकों पर कार्यवाही की गई। उनके परिवार जन को बुलाकर बच्चों को बिना लाइसेंस वाहन न दे, वाहन को मोडिफाई ना करने एवं तेज गति से वाहन ना चलाने की समझाइश दी गई और चालान काट कर रवाना किया गया वाहन चौकिंग के दौरान पीओएस मशीन द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाई कर '13 चालान पर 6000 रुपए'' का जुर्माना किया गया। सभी को यातायात नियमों के प्रति जागरूक कर हिदायत दी गई की सभी यातायात नियमों का पालन कर सड़क दुर्घटना से बचे।

यातायात पुलिस व्यवस्था को ठीक करने में नहीं दे रही ध्यान, बाजार में पहुंच रहे हैं लोडिंग वाहन

यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित करने की जिम्मेदारी यातायात पुलिस के कंधों पर है पर जिस काम के लिए यातायात पुलिस की व्यवस्था की गई है। इनके द्वारा इस काम को ना करते हुए अधिकांश समय यातायात पुलिस के द्वारा वाहन चेकिंग में समय व्यतीत किया जाता है। जिसको लेकर कई तरह के सवाल भी खड़े हो रहे हैं फिर भी बदलाव देखने को नहीं मिल रहा है। इस वजह से शहर की व्यवस्था ठीक होने की जगह पर बिगड़ती ही जा रही है मनमानी से लोगों के द्वारा कहीं भी वाहनों को खड़ा कर दिया जाता है।दूसरी ओर जाम के कारण आमजन को परेशानियों का सामना करना पड़ा उसको भी ठीक करने का काम नहीं किया जा रहा है। घंटे छोटे-बड़े वाहन सड़कों के किनारो पर खड़े रहते हैं ,अतिक्रमण भी जोर-जोर से हो रहा है ।मुख्य बाजार में तो वैसे ही दो पहिया बाहर निकलना मुश्किल होता है। मुख्य शहर की व्यवस्था ठीक करने के लिए एसडीएम के द्वारा बेरिकेटिंग की व्यवस्था की गई है ।पर इसके बाद भी यहां पर भारी वाहनों का प्रवेश होता हुआ नजर आ रहा है।

ऑडियो हुआ वायरल हल्का 50 के पटवारी का है मामला

सीमांकन करने के बदले में किसानों से खुलेआम की जा रही है लूट

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

किसानों की जमीनों का सीमांकन करने के बदले में इन दोनों मोटी रकम में वसूलने का काम कई पटवारी के द्वारा किया जा रहा है। सीमांकन का काम आर आई और पटवारी के द्वारा मिलकर किया जाता है। इन्हें जहां से पैसे मिल जाते हैं वहां सीमांकन जल्दी ही आर आई पटवारी के द्वारा कर दिया जाता है। जहां सेव नहीं होती है वहां के किसानों को तारीख पर तारीख देने का काम किया जाता है। इस वजह से कृषकों को मजबूरी में पैसे देने पढ़ रहे हैं। क्योंकि इन्हें बरसात शुरू होने से पहले अपनी जमीन का सीमांकन करवाना होता है बारिश लगने के बाद सीमांकन भी नहीं हो पाएगा। किसान से सीमांकन करने के बदले में पैसे ले मांगने का ऑडियो भी इंटरनेट मीडिया पर वायरल हुआ है इसकी दोपहर मेट्रो पुष्टि नहीं करता है। ऑडियो सामने आने के बाद एसडीएम ने पटवारी और आर आई को एससीएन जारी करके कड़ी कार्रवाई करने की बात कही है।

वही सीमांकन के पैसे मांगने के दौरान पटवारी किसान के बीच में काफी देर तक सौदा होता है उसके बाद पटवारी के द्वारा 20000 में सीमांकन करने की सहमति प्रदान की जाती है इससे पहले आर आई साहब से बात करने की बात भी पटवारी के द्वारा कही जाती है। किसान भूपेंद्र सिंह दांगी ने बताया कि पहले हम सीमांकन की बात करने आर आई साहब के पास गया था जहां से उन्हें पटवारी के पास भेज दिया इसके बाद यह ऑडियो इंटरनेट मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

जबकि स्थानीय विधायक मंचों के माध्यम से अधिकारियों कर्मचारियों खुलेआम चेतावनी देते हैं ना खाऊंगा ना खाने दूंगा उनके क्षेत्र में भी वसूली का खेल रुकने का नाम नहीं ले रहा है। सीमांकन करने के बदले में मोटी रकम वसूलने का काम खुलेआम किया जा रहा है कई बार शिकायत है सामने आ चुकी हैं। सूत्र बताते हैं जिस किसान के द्वार इनकी सेवा कर दी जाती है वहां तो सीमकन करने के लिए कभी भी चले जाते हैं और जहां से सेवा नहीं होती है वहां पर सीमांकन करने के लिए यह महीना नहीं जाते हैं इस वजह से कई लोग सीमांकन करवाने के लिए सालो भटक रहे हैं। सालपुर के रघुवीर भावसार पिछले कई सालों से सीमांकन के लिए पटवारी आर आई से लेकर अधिकारियों के यहां चक्कर लगा चुके हैं उनका सीमांकन नहीं हो रहा है कई बार तहसीलदार एसडीएम को आवेदन भी दे चुके हैं। इसके बाद भी उनकी जमीनों के सीमन का नहीं हो रहा है ऐसे कई किसान है जो सीमांकन के लिए दर-दर की ठोकने का रहे हैं । वायरल ऑडियो के संबंध में जब पटवारी से उनका पक्ष जानने के लिए प्रदेश टुडे ने संपर्क किया कई बार फोन भी लगाए पर पटवारी शुभम पटेल ने फोन रिसीव नहीं किया इसलिए उनका पक्ष भी नहीं ले पाए। आर आई अमित गुप्ता को भी फोन लगाया पर उनका फोन भी स्विच ऑफ आया। इसलिए उनका पक्ष भी नहीं ले पाए।

सरकार की छवि को भी कर रहे हैं धूमिल

प्रदेश सरकार के द्वारा किसानों के काम प्राथमिकता पर बिना किसी रिश्वत के करने के निर्देश दिए जा रहे हैं। दूसरी ओर किसानों के सीमांकन करने के बदले में मोटी रकम वसूलने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं फिर भी जिम्मेदारों के द्वारा कार्रवाई नहीं की जा रही है छोटे-छोटे कामों के लिए बड़ी-बड़ी राशि मांगी जा रही है अधिकारियों से शिकायतों के बाद भी सीमांका नहीं हो रहे हैं जहां से इनकी जेब गर्म हो जाती है वहां के सीमाकंन जल्दी आर आई, पटवारी के द्वारा कर दी जाते हैं ऐसे आरोप भी कई बार लग चुके हैं। जिस काम के लिए सरकार इनको वेतन दे रही है उस काम के भी किसानों से पैसे मांगे जा रहे हैं।

इनका कहना है -

सीमांकन के लिए कई दिनों से परेशान हो रहे हैं पहले हम आर आई साहब के पास गए थे फिर उन्होंने पटवारी से बात करने के लिए बोला इसके बाद पटवारी शुभम पटेल से बात हुई उन्होंने कहा कि हम सीमकन कर देंगे पहले तो 30 से 40 हजार मांग रहे थे फिर 20000 में बात पक्की हो गई थी लेकिन हमारे पास इतने पैसे नहीं थे इसलिए हम पैसे लेकर नहीं आ पाए हम किसानों से खुलेआम सीमांकन के बदले में आर आई पटवारी के द्वारा पैसे मांगे ऐसे भ्रष्ट अधिकारी कर्मचारियों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

***भूपेंद्र सिंह**, दांगी किसान झंडवा*

बहुत ही गंभीर मामला है किसान से सीमांकन करने के बदले में पैसे मांगना अनुचित है ऑडियो की जांच भी करवा रहा है पटवारी आर आई को एससीएन जारी कर दिया है। हम कड़ी कार्रवाई करेंगे कोई भी किसान सीमांकन के बदले में किसी भी तरह पैसे ना दे यदि कहीं से पैसों की मांग होती है तो वहां हमारे पास शिकायत करें।

***हर्षल चौधरी**, एसडीएम*

किसान और पटवारी के बीच में कोई बातचीत का ऑडियो

हल्का पटवारी 50 झंडाव के किसान भूपेंद्र सिंह दांगी ने कहा पटवारी साहब सूचना पत्र जारी हो गया। पटवारी शुभम पटेल बोलते हैं सूचना पत्र जारी हो गय, किसान बोलता है मैं कब आ जाऊं पटवारी बोलते हैं आज आ जाओ शाम 4:00 बजे तक मैं तो यहीं पर हूं किसान बोलता है मैं आता हूं फिर पटवारी बोलते हैं कितना दे दोगे किसान बोलता है कितने लेंगे फिर पटवारी बोलते हैं कितनी जमीन है और कितने नंबर है किसान बोलता है कि 5,6 नंबर है 25 बीघा के करीब जमीन होगी बताओ कितने लेंगे पटवारी बोलते हैं 30-40 हजार की व्यवस्था कर लो किसान बोलता है इतने तो नहीं कर पाएंगे फिर बोल पटवारी बोलता है कि 20000 की व्यवस्था कर लो किसान बोलता है कि आर आई साहब से बात हो गई पटवारी बोलते हैं मैं उनके ऑफिस गया था पर वह मिले नहीं है लेकिन मैं बात कर लूंगा किसान बोलता है कि कब तक सीमा बंद हो जाएगा तो पटवारी बोलते हैं 5 तारीख लगी है तो कर देंगे किसान कहता है जल्दी तो कर देंगे।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार हेतु आवेदन 31 जुलाई तक आमंत्रित

सिरोंज। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2024 के लिए पांच से 18 आयु वर्ष तक के बच्चों से पुरस्कार हेतु ऑन लाइन पोर्टल पर आवेदन 31 जुलाई तक आमंत्रित किए गए है। जिला पंचायत के अतिरिक्त सीईओ श्री पंकज जैन ने बताया कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के तहत उन बच्चों को पुरस्कृत किया जाता है जिन्होंने बहादुरी, खेल-कूद, सामाजिक कार्य, विज्ञान एवं तकनीकी क्षेत्र, पर्यावरण, कला और संस्कृति के क्षेत्र में विलक्षण प्रतिभा का परिचय दिया है। श्री जैन ने जिले के समस्त जनपदो के सीईओ तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के परियोजना अधिकारियों को पत्र प्रेषित कर पुरस्कार का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश प्रसारित किए है। उल्लेखित ख्याति अर्जित करने वाले पांच से 18 वर्ष तक के बच्चे पुरस्कार हेतु ऑन लाइन पोर्टल पर अंतिम तिथि 31 जुलाई तक आवेदन सबमिट कर सकते है साथ ही पुरस्कार के संबंध में अन्य विस्तृत जानकारी भी प्राप्त कर सकते है।

सूर्य देवता का प्रकोप जारी,गर्मी ने बढ़ाई लोगों मुश्किलें

सिरोंज। सूर्य देवता के सितम के आगे सभी जतन फेल होते हुए नजर आ रहे हैं।कूलर पंखे एसी भी फेल हो रहे हैं गर्मी से बचने के लिए लोग तरह-तरह के जतन कर रहे हैं। दूसरी ओर दोपहर 12:00बजे से लेकर 3:00 बजे तक तो घरों से निकलना मुश्किल हो रहा है। गर्मी के असर के कारण बाजार में भी सन्नाटा छाया हुआ है। भीषण गर्मी के कारण लोगों की सेहत भी खराब हो रही है पानी की कमी के कारण उल्टी दस्त की शिकायत भी सामने आ रही इस वजह से डॉक्टर के पास मरीजों की भरमार देखने को मिल रही है ।वहीं एकदम से गर्मी का प्रकोप बढ़ने से ठंडे पदार्थों की मांग भी बढ़ गई है। डॉक्टर के द्वारा गर्मी को देखते हुए घरों में रहने की सलाह दी जा रही है । ज्यादा आवश्यकता होने पर ही घरों से बाहर निकालने की सलाह दी जा रही है। दूसरी ओर लू से बचने के लिए सभी उपाय करने की सलाह भी दी जा रही है। दोपहर में तो सड़कों पर सन्नाटा भी छा जाता है।

मेट्रो एंकर किस के संरक्षण में फल-फूल रहा है ग्राम पंचायत बाढेर में भ्रष्टाचार

जनता की गाढ़ी कमाई, सरपंच सचिव ने दोनों हाथों से उड़ाई!

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

जनपद पंचायत नटेरन अंतर्गत आने वाली इस ग्राम पंचायत बाढेर में जिस तरह से भ्रष्टाचार किया गया जा रहा है, यह जिम्मेदार अधिकारीयों की लापरवाह कार्यप्रणाली का नतीजा नहीं है तो और क्या है। क्योंकि भ्रष्टाचार में लिप्त सरपंच सचिव पर लगाम कसने बाला कोई अधिकारी नजर नहीं आता है। जिस के परिणाम स्वरूप ग्राम पंचायत में भ्रष्टाचार फैल रहा है,जो कि किसी अधिकारी कर्मचारी से छिपा नहीं है। परंतु अफसोस बस इस बात का है कि ग्राम पंचायत बाढेर में फैला हुआ भ्रष्टाचार किसी भी जिम्मेदार अधिकारी को क्यों दिखाई क्यों नहीं देता है,और क्या वजह है इसकी क्योंकि विकास कार्यों के स्थान पर जिस तरह से फर्जीवाड़ा कर लाखों रुपये का भुगतान वाउचर के माध्यम से किया गया है। जो कि बेहद चिंता का बिषय है। ग्राम पंचायत द्वारा नाली सफाई घूरा सफाई और साफ-सफाई के नाम पर विगत एक वर्ष में रणधीरसिंह मैना और ज्ञान सिंह मैना की विक्रेता आई डी बना कर लाखों रुपये का भुगतान इस लिये किया गया क्योंकि यह दोनों व्यक्ति सरपंच सचिव के खास चहेतों में से जो है। इस लिये इन के खातों में वाउचर के माध्यम से भुगतान किया गया है,ग्राम पंचायत द्वारा निर्माण कार्यों में बिना मटेरियल टेस्टिंग के गुणवत्ताहीन मटेरियल का उपयोग करना और जिम्मेदारों का उक्त निर्णय कार्यों का सब कुछ जानते समझते हुऐ भी मूल्यांकन करना भ्रष्टाचार को बढ़ावा देना नहीं है तो और क्या है। अधिकारियों का ग्राम पंचायत में हो रहे भ्रष्टाचार की शिकायतें प्राप्त होने के बाद जांच और कार्यवाही के नाम पर सिर्फ कागजी खानापूर्ति करते हुऐ अपनी जिम्मेदारियों से मुक्त हो जाना कई तरह के संदेहो को जन्म देता है। अधिकारियों द्वारा यदि निष्पक्षता से इस ग्राम पंचायत में कराये गये निर्माण कार्यो की जांच करवाई जाये,तो विकास कार्यों की आड़ में किये जा रहे भ्रष्टाचार की परतें खुलती चली जायेगी।और सरपंच सचिव का किया धरा सब जांच में सामने आ जायेगा लेकिन अब इस बात की जहमत उठाये कौन और ग्राम पंचायत द्वारा किये गये भ्रष्टाचार की जांच कराये कौन क्योंकि ग्राम पंचायत द्वारा किये गये भ्रष्टाचार की खबरें प्रकाशित होने के बाद भी अधिकारी गहरी नींद में सोये हुऐ हैं।

कलम की निष्पक्ष धारा प्रवाह को रोकने के लिऐ भ्रष्टाचार में लिप्त सरपंच सचिव अपने कृत्यों पर पर्दा डाल ने के लिये जन प्रतिनिधियों की शरण में शरणागत हो जाते हैं,ताकि ग्राम पंचायत में किये गये भ्रष्टाचार पर पर्दा डाला जा सके। जांच और जांच उपरांत होने वाली प्रशासनिक कार्यवाही से बचा जा सके। जबकि समाचार पत्र ने अपनी जिम्मेदार को निभाते हुऐ निष्पक्षता से ग्राम पंचायत बाढेर में फर्जी तरीके से वाउचर के माध्यम से साफ-सफाई के नाम पर किये गये लाखों के भुगतान की खबर शीर्षक भ्रष्टाचार में लिप्त ग्राम पंचायत बाढेर में विकास कार्य-कम भ्रष्टाचार का अधिक बोलबाला प्रकाशित की थी। लेकिन अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों को निभाने में नाकाम साबित हुऐ जिससे भ्रष्टाचार में लिप्त सरपंच सचिव के हौसले बुलंद नजर आते हैं।

सीडिड खिलाड़ी मारिया साकारी, केटी बोल्टर और गार्सिया का पत्ता साफ

मैच सोफिया केनिन ने कुल गार्सिया से खेले और सभी में जीत दर्ज की

पेरिस, एजेंसी

पिछले कुछ समय से ग्रैंड स्लेम मुकाबलों के दौरान महिला एकल में गैरवरीय खिलाड़ियों का दबदबा लगातार बढ़ रहा है। फरवरी में खेले गए ऑस्ट्रेलियन ओपन के बाद साल के दूसरे ग्रैंड स्लेम फ्रेंच ओपन में भी शुरुआत दौर से ही उलटफेर शुरू हो गए हैं। मैच में ब्राजील की 13वीं सीड खिलाड़ी बीट्रिज हदाद मैया के बाद यूनान की छठी सीड मारिया साकारी और ब्रिटेन की नंबर एक खिलाड़ी और 26वीं सीड केटी बोल्टर की पहले ही दौर में छुट्टी हो गई।

ग्रेचेवा-बाडोसा ने का जलवा

महिला एकल के पहले दौर में रूसी मूल की फ्रांसीसी खिलाड़ी वरवारा ग्रेचेवा ने पहला सेट हारने के बाद वापसी करते हुए मारिया साकारी को 3-6, 6-4, 6-3 से मात दी। वहीं, स्पेनिश खिलाड़ी पाउलो बाडोसा ने भी पहला सेट हारने के बाद वापसी की और ब्रिटिश खिलाड़ी केटी बोल्टर को 4-6, 7-5, 6-4 से हराया।

सोफिया ने पुरानी फॉर्म में वापसी की: अमरीका की गैरवरीय खिलाड़ी सोफिया केनिन ने दूसरे दौर में फ्रांस की कैरोलिन गार्सिया को 6-3, 6-3 से हराया। 2020 फ्रेंच ओपन की उपविजेता केनिन की गार्सिया के खिलाफ यह तीसरी जीत है।

नोवाक ने 20वीं बार पहले दौर का मुकाबला जीता

मौजूदा चैंपियन नोवाक जोकोविच ने दमदार शुरुआत करते हुए आसानी से फ्रेंच ओपन के दूसरे दौर में जगह बनाई। टॉप सीड जोकोविच ने फ्रेंच ओपन में अपने करियर की कुल 93वीं जीत दर्ज की और फ्रांस के गैरवरीय खिलाड़ी पियरे ह्यूग्स हर्बर्ट को 6-4, 7-6, 6-4 से हराया। जोकोविच ने 20वीं बार यहां पहले दौर का मुकाबला जीता। अब वह अंतिम-32 में स्पेन के 63वें नंबर के खिलाड़ी रोबर्टो कार्बालेस बेना से भिड़ेंगे। जोकोविच ने जीत के बाद कहा कि वह जीत की लय कायम रखना चाहेंगे। बेल्जियम के गैरवरीय खिलाड़ी डेविड गोफिन ने पहले दौर में जीत हासिल करते हुए फ्रांस के गियोवेनी पेरीकार्ड के खिलाफ जीत हासिल करने के बाद दर्शकों के खिलाफ निराशा और गुस्सा जताया। उन्होंने कहा, मैच के दौरान किसी दर्शक ने मेरे ऊपर च्युइंगम फेंकी। दर्शकों ने मेरे खिलाफ अभद्रता की। दर्शकों का इस तरह का व्यवहार आपको गुस्सा दिलाता है।

2 जून से शुरू होगा 9वां टी-20 वर्ल्ड कप, अमेरिका-वेस्टइंडीज करेंगे होस्टिंग में

आईसीसी टूर्नामेंट के बहाने आईपीएल को टक्कर देगी अमेरिकी एमएलसी

नईदिल्ली, एजेंसी

अब अमेरिका पहली बार किसी क्रिकेट वर्ल्ड कप की मेजबानी करने जा रहा है। 2 जून से शुरू हो रहा 9वां टी-20 वर्ल्ड कप अमेरिका और वेस्टइंडीज की को-होस्टिंग में होगा। इस बार अमेरिका की कोशिश है कि वर्ल्ड कप के जरिए ग्लोबल क्रिकेट में उसकी जगह बने। अमेरिका की कोशिश है कि वर्ल्ड कप के बहाने अपनी फ्रेंचाइजी क्रिकेट लीग एमएससी को इतना बड़ा बनाए कि वो आईपीएल को टक्कर दे सके। एमएससी यानी मेजर लीग क्रिकेट की शुरुआत पिछले साल ही हो गई थी। वर्ल्ड कप के बाद जुलाई में इसका दूसरा सीजन खेला जाना है। आगे हम पूरा स्ट्रक्चर समझेंगे और यह भी जानने की कोशिश करेंगे कि वर्ल्ड कप से इस लीग को कैसे फायदा मिल सकता है। अमेरिका ने अपनी क्रिकेट लीग का नाम भी इसी तर्ज पर रखा है, ताकि बेसबॉल के फैंस इस लीग की ओर भी आकर्षित हो सकें। इसके अलावा वहां की सॉकर (फुटबॉल) लीग का नाम भी इसी तर्ज पर एमएसएस है, यानी मेजर लीग सॉकर।

वर्ल्ड कप के 6 दिन बाद शुरू होगा दूसरा सीजन

टी-20 वर्ल्ड कप का फाइनल 29 जून को होगा। इसके 6 दिन बाद 6 जुलाई से अमेरिका में एमएससी का दूसरा सीजन शुरू हो जाएगा। इस बार भी 2 ही स्टेडियम में मैच होंगे, लेकिन ग्रुप स्टेज में 15 की बजाय 21 मैच खेले जाएंगे। एक टीम 5 की जगह 7 मैच खेलेगी। वर्ल्ड कप के ठीक बाद एमएलसी का सीजन-2 शुरू होगा, इससे अमेरिकन ऑडियंस के साथ ग्लोबल क्रिकेट ऑडियंस भी कनेक्टेड रहेगी। दूसरे सीजन के मैच भारतीय समयानुसार रात 12:30 बजे और सुबह 6 बजे से शुरू होंगे। ये टाइमिंग अमेरिका के हिसाब से रात की रहेगी, इससे ज्यादा फैन्स स्टेडियम पहुंचकर मैच देखेंगे।

एक हजार करोड़ रुपए की फंडिंग से हुई शुरुआत

अमेरिकी क्रिकेट बोर्ड ने 2018 में फ्रेंचाइजी बेस्ड क्रिकेट लीग शुरू करने की बात कही। शुरुआती अड़चनों से पार पाते हुए मई 2022 में लीग के लिए 120 मिलियन डॉलर, यानी करीब एक हजार करोड़ रुपए की फंडिंग जुटाई गई। माइक्रोसॉफ्ट सीईओ सत्या नडेला, शाहरुख खान की को-ओनरशिप वाली आईपीएल फ्रेंचाइजी केकेआर, टेक्नोलॉजी आंत्रप्रेन्योर आनंद राजारमण, एडोबी के पूर्व सीईओ शांतनु नारायण शुरुआती इन्वेस्टर्स में शामिल रहे।

6 टीमों ने खेला पहला सीजन

पहला सीजन जुलाई 2023 में 6 टीमों के साथ खेला गया। सभी टीमों में भारतीय इन्वेस्टर्स शामिल रहे। एक्टर शाहरुख खान की को-ओनरशिप वाली आईपीएल फ्रेंचाइजी केकेआर, मुंबई इंडियंस को रन करने वाली कंपनी इंडियाविन स्पोर्ट्स, दिल्ली कैपिटल्स की मालिक जस्क्रस्पोर्ट्स और चेन्नई सुपर किंग्स ने अलग-अलग पार्टनर्स के साथ टीमें खरीदीं।

दो स्टेडियम में हुए सीजन-1 के 19 मुकाबले

पहले सीजन में 14 जुलाई से 26 जुलाई तक ग्रुप स्टेज के 15 मैच खेले गए। 27, 28 और 30 जुलाई को प्लेऑफ के 4 मुकाबले हुए। सभी 19 मैच डलास और मोरिसविले स्टेडियम में ही कराए गए। 6 टीमों ने ग्रुप स्टेज में 5-5 मैच खेले, यानी एक टीम ने बाकी 5 टीमों से 1-1 मैच खेला। आईपीएल की तरह एमएससी के पहले सीजन में टॉप-4 टीमों ने प्लेऑफ में जगह बनाई। एमआई न्यूयॉर्क ने एलिमिनेटर और क्वालिफायर-2 जीतकर फाइनल खेला। टीम ने सीटल ओरकास को फाइनल में 7 विकेट से हराया और पहले सीजन का खिताब भी जीत लिया। निकोलस पूरन ने सेंचुरी लगाई, वह टूर्नामेंट के टॉप रन स्कोरर भी रहे। एमआई के ही ट्रेंट बोल्ट 22 विकेट के साथ टॉप विकेट-टेकर रहे। अमेरिका के कैमरन गैनन प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे, सीटल ओरकास के लिए उन्होंने 11 विकेट लिए। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने 28 मई को ही मेजर लीग क्रिकेटको लिस्ट-ए की मान्यता दे दी। यानी अब टूर्नामेंट में खिलाड़ियों और टीमों के आंकड़े टी-20 रिकॉर्ड में भी गिने जाएंगे। दूसरा सीजन टी-20 वर्ल्ड कप के 6 दिन बाद ही 6 जुलाई से शुरू हो जाएगा। दूसरे सीजन में 19 से बढ़कर 25 मैच होंगे। 2025 तक इसे 34 मैच तक बढ़ाने का प्लान है, टीमें भी 6 से बढ़ाकर 8 कर दी जाएंगी। आखिर में 10 टीमों का टूर्नामेंट बनाने का ही प्लान है। आईपीएल को छोड़कर अब तक किसी भी देश के फ्रेंचाइजी टूर्नामेंट में 10 टीमें हिस्सा नहीं लेती हैं।

स्पेनिश खिलाड़ी के खिलाफ निराशाजनक रिकॉर्ड

अब दूसरे दौर में पीवी सिंधू की टक्कर मारिन से होगी

सिंगापुर, एजेंसी

भारतीय शटलर पीवी सिंधू ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जहां सिंगापुर ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल में दूसरे दौर में प्रवेश किया। सिंधू ने डेनमार्क की विश्व नंबर-21 लाइन हॉजमार्क केजेर्सफेल्ट को 21-12, 22-20 से मात दी। अब सिंधू का सामना स्पेन की कैरोलिन मारिन से होगा। सिंधू का मारिन के खिलाफ 5-11 का रेकॉर्ड रहा है।

लक्ष्य सेन को मिली मात

पुरुष एकल में भारत को निराशा का सामना करना पड़ा। भारत के युवा शटलर लक्ष्य सेन को विश्व के नंबर-1 खिलाड़ी विक्टर एक्सेलसेन के खिलाफ 13-21, 21-16, 13-21 से हार झेलनी पड़ी।

अरुंधति चौधरी अंतिम-16 में, नरेंद्र बेरवाल हारकर बाहर

बैंकॉक, एजेंसी

भारत की अरुंधति चौधरी ने बुधवार को शानदार जीत दर्ज करते हुए दूसरे बॉक्सिंग वर्ल्ड ओलंपिक क्वालीफायर में महिलाओं की 66 किग्रा वर्ग के अंतिम-16 में प्रवेश कर लिया है। भारतीय महिला मुक्केबाज ने अंतिम-32 मुकाबले में पुर्तो रिको की स्टेफनी पाइनेरियो के खिलाफ दमदार प्रदर्शन करते हुए 5-0 से एकतरफा जीत दर्ज की। वहीं दूसरी ओर नरेंद्र बेरवाल पुरुषों के +92 किग्रा में हारकर बाहर हो गए। बेरवाल को इक्वाडोर के गेलोंन गिल्मर कांगो चाला के खिलाफ 2-3 से हार मिली।

मेट्रो बाजार

मुंबई, एजेंसी

आरबीआई ने खुदरा निवेशकों के लिए सरकारी प्रतिभतियों-बॉन्ड्स की खरीद-बिक्री को आसान बनाने के लिए आरबीआइ रिटेल डायरेक्ट को मोबाइल ऐप लॉन्च किया, वहीं विभिन्न नियामकीय मंजूरी की प्रक्रियाओं को सुगम बनाने के लिए प्रवाह पोर्टल लॉन्च किया। यानी किसी भी व्यक्ति या इकाई के लिए विभिन्न नियामकीय मंजूरियों के लिए सरल तरीके से ऑनलाइन आवेदन करने को लेकर प्रवाह पोर्टल शुरू किया गया है। इसके अलावा आरबीआइ ने फिनटेक रिपॉजिटरी की भी शुरुआत की है। इसका मकसद फिनटेक कंपनियों के आंकड़ों का भंडारण करना और इसके मुताबिक नीतियां बनना है। रिटेल डायरेक्ट ऐप-इस ऐप के जरिए खुदरा निवेशक अब अपने स्मार्टफोन से आसानी से शेयर और म्यूचुअल फंड की तरह सरकारी प्रतिभूतियों की सीधे खरीद-बिक्री कर सकते हैं। इस ऐप को एंड्रॉयड यूजर्स 'प्ले स्टोर' और आइओएस उपयोगकर्ता 'ऐप स्टोर' से डाउनलोड कर सकते हैं। वर्तमान में 'रिटेल डायरेक्ट' पोर्टल खुदरा निवेशकों को भारतीय रिजर्व बैंक के साथ खुदरा प्रत्यक्ष सरकारी प्रतिभूति खाते खोलने की सुविधा प्रदान करता है। फिनटेक रिपॉजिटरी-इसका लक्ष्य उपयुक्त नीतियां बनाने के मकसद से फिनटेक कंपनियों, उनकी गतिविधियों, टक्नोलॉजी के इस्तेमाल आदि के बारे में आवश्यक जानकारी प्राप्त करना है। नियमन के दायरे में आने और उससे बाहर रहने वाली दोनों तरह की फिनटेक कंपनियों को इस रिपॉजिटरी में योगदान करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

प्रवाह पोर्टल लॉन्च, नियामकीय मंजूरी प्रक्रिया बनाएंगे सुगम

पूंजी बाजार: एफपीआइ भारतीय शेयर बाजार में कर रहे बिकवाली, डेट मार्केट में कर रहे निवेश

नईदिल्ली, एजेंसी। अप्रेल में बिकवाली में जुटे विदेशी निवेशक मई में पलटी मार गए और भारतीय बॉन्ड में फिर निवेश कर रहे हैं। भारतीय बॉन्ड को जेपी मॉर्गन इंडेक्स में शामिल करने का काम 28 जून से शुरू होगा और 10 महीने तक जारी रहेगा। 31 मार्च 2025 तक हर माह भारतीय बॉन्ड्स का वेटेज 1त्न बढ़ाया जाएगा। इस इंडेक्स में भारतीय बॉन्ड्स का वेटेज चीन की तरह 10त्न होगा। इसे देख विदेशी निवेशक देसी बॉन्ड्स में निवेश बढ़ा रहे हैं। अप्रेल में विदेसी निवेशकों ने बॉन्ड बाजार से 11,218 करोड़ रुपए की शुद्ध बिकवाली की थी। वहीं मई में डेट प्रतिभूतियों में 7,427 करोड़ निवेश किया है। वहीं, दूसरी तरफ अमरीकी रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ग्लोबल ने भारत के आउटलुक को स्थिर (स्टेबल) से अपग्रेड कर सकारात्मक (पॉजिटिव) कर दिया है। साथ ही सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग को मजबूत वृद्धि और सरकारी खर्च की बेहतर गुणवत्ता के आधार पर बीबीबी माइनस पर बरकरार रखा गया है। इससे देश की साख बढ़ी है। भारतीय बॉन्ड में निवेश बढ़ाने लगे विदेशी निवेशक, देश की क्रेडिट रेटिंग भी सुधरी है। 20 से 25 अरब डॉलर का निवेश भारतीय बॉन्ड्स में जेपी मोर्गन इंडेक्स में शामिल होने पर आने की उम्मीद, जून 2024 के बाद10 से 15 अरब डॉलर का निवेश ब्लूमबर्ग इंडेक्स में शामिल होने से आ सकता है भारतीय बॉन्ड्स में 3.3 लाख करोड़ यानी 40 अरब डॉलर तक का विदेशी निवेश आने की उम्मीद अगले दो साल में इन दोनों इंडेक्स में भारतीय बॉन्ड के शामिल हो सकते हैं।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

मधुरिमा ऋतिक रोशन को कर दिया था नजर अंदाज!

अभिनेत्री मधुरिमा तुली ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल के जरिए अभिनेता ऋतिक रोशन से माफी मांगी है। मधुरिमा ने एक लंबा-चौड़ा नोट लिखते हुए अभिनेता को इंस्टाग्राम पर टैग भी किया है। टीवी अभिनेत्री मधुरिमा तुली ने गुरुवार को अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर कुछ ऐसा साझा किया जिससे उनके प्रशंसक हैरान रह गए। बिग बॉस 13 फेम अभिनेत्री ने ऋतिक रोशन से मांफी मांगते हुए एक नोट लिखा। अभिनेत्री ने लिखा कि दो साल पहले उनका ऋतिक से आमना-सामना हो गया था, लेकिन वह अभिनेता की ओर ध्यान नहीं दे पाई थीं, क्योंकि वह वहीं पर जम गई थीं। उन्होंने लिखा कि इसके लिए वो शर्मिंदा हैं। ऋतिक को नजरअंदाज नहीं करना चाहती थीं मधुरिमा अभिनेत्री मधुरिमा ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक पोस्ट शेयर की, जिसमें उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका कभी भी ऋतिक को नजरअंदाज करने का इरादा नहीं था।

मधुरिमा ने लिखा लंबा-चौड़ा नोट

अभिनेत्री मधुरिमा ने पोस्ट कर लिखा, 'हे ऋतिक, मैं एक बात कहना चाहती हूं, 2 साल पहले मेरा आपसे आमना सामना हुआ था, मैं उस समय पूरी तरह से जम गई थी। मैं उस दिन से ही अपराधबोध में हूं कि आप यह सोचते होंगे कि मैं कितनी असभ्य हूं या आप शायद इस बारे में भूल गए हों।' उन्होंने आगे लिखा, 'मुझे यह आपको बताना था, मैं सचमुच स्तब्ध रह गई थी। चूंकि मैं 'कहो ना प्यार है' के समय से आपकी बहुत बड़ी प्रशंसक हूं। मुझे नहीं पता था कि कैसे आपसे मिलूं, इसलिए मैंने सोचा कि संदेश देने के लिए यह सबसे अच्छा मंच है।

'वेलकम टू द जंगल' में दिखाएंगे अपना अनोखा रूप

अक्षय कुमार की फिल्म में सुनील शेट्टी बनेंगे डॉन!

वेलकम टू द जंगल एक आगामी एक्शन एडवेंचर कॉमेडी फिल्म है, जिसे अहमद खान ने निर्देशित और फिरोज नाडियाडवाला द्वारा निर्मित किया गया है। वेलकम की तीसरी इंस्टॉलमेंट वेलकम टू द जंगल को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। अक्षय कुमार स्टारर फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। इस फिल्म का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। निर्देशक अहमद खान द्वारा निर्देशित, यह फिल्म ज्योति देशपांडे और फिरोज ए. नाडियाडवाला द्वारा निर्मित है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार यह फिल्म 20 दिसंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है। अब इस फिल्म को लेकर अपडेट सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार वेलकम टू द जंगल में सुनील शेट्टी एक डॉन के किरदार में नजर आएंगे, लेकिन यह डॉन खतरनाक नहीं बल्कि प्यारा होगा। सुनील शेट्टी ने कई फिल्मों में अपनी कॉमेडी से लोगों का खूब मनोरंजन किया है। सुनील के फैंस जरूर उन्हें एक प्यारे डॉन के किरदार में देखना चाहेंगे।

पहले भी कर चुके काम

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इस फिल्म को लेकर सुनील शेट्टी काफी उत्सुक और खुश है कि वह फिर से एक बार अक्षय कुमार और परेश रावल के साथ काम करेंगे। इस फिल्म में सुनील डॉन के किरदार के साथ कॉमेडी का तड़का लगाते नजर आएंगे। परेश रावल, सुनील शेट्टी और अक्षय कुमार की तिकड़ी फिल्म हेरा फेरी में नजर आई थी। इस फिल्म को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला था। फिल्म 20 दिसंबर को क्रिसमस पर में रिलीज हो सकती है।

'ब्लैकआउट' के साथ डार्क कॉमेडी जॉनर में विक्रांत मैसी का प्रवेश

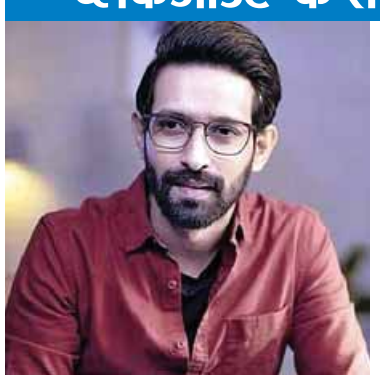

विक्रांत मैसी अपनी आगामी फिल्म 'ब्लैकआउट' के साथ डार्क कॉमेडी क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। फिल्म का ट्रेलर जारी हो गया है, जिसमें सुनील ग्रोवर और मौनी रॉय भी दमदार किरदार में नजर आ रहे हैं। अपनी बहुमुखी प्रतिभा के लिए मशहूर अभिनेता इस बार नवोदित देवांग भावसार द्वारा निर्देशित ब्लैक कॉमेडी से दर्शकों का दिल जीतने आ रहे हैं। विक्रांत की ब्लैकआउटज का ट्रेलर 30 मई को रिलीज किया गया, जिसे यूट्यूब पर दर्शकों का बेशुमार प्यार मिल रहा है। ब्लैकआउटज के ट्रेलर में अपराध और भ्रम के बीच एक रात की अराजक कहानी दिखाई गई है। विक्रांत का किरदार एक दुर्घटना में शामिल हो जाता है जहां से उसे सोना मिलता है, जो संभवत: किसी अवैध या तस्करी रैकेट से संबंधित है। संयोग से, सुनील ग्रोवर उनके सह-यात्री के रूप में दृश्य में प्रवेश करते हैं जो आधा हिस्सा मिलने पर उनकी मदद करने के लिए सहमत होते हैं। मौनी रॉय और कई अन्य अप्रत्याशित किरदार भी रोलर कोस्टर की सवारी का हिस्सा बन जाते हैं जिससे अधिक भ्रम, अराजकता और बिल्ली और चूहे का खेल शुरू हो जाता है। फिल्म का सह-निर्माण ज्योति देशपांडे और नीरज कोठारी ने किया है। ब्लैकआउट में जिशु सेनगुप्ता, करण सुधाकर सोनावणे, सौरभ दिलीप घाडगे, रुहानी शर्मा, सूरज पोप्स और केली दोरजी भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

किशोर पर जानलेवा हमला करने वाले बदमाश अवैध गांजे के साथ गिरफ्तार

हत्या का प्रयास व अड़ीबाजी मामले में थी शरीफ बच्चा और आमिर मुर्गी की तलाश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

ऐशबाग पुलिस ने 17 साल के किशोर पर चाकू से जानलेवा हमला करने वाले बदमाश शरीफ बच्चा और एक अन्य बदमाश आमिर मुर्गी को एक किलो 300 ग्राम अवैध गांजे के साथ गिर तार किया है। जानलेवा हमला के एक अन्य आरोपी समेत पुलिस ने कुल तीन शातिर बदमाशों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट का प्रकरण दर्ज किया है।

पुलिस के मुताबिक विगत 29 मई को मुखबिर की सूचना पर गुरुनानकपुरा बिजली की डीपी के पास ऐशबाग में एक एक्टिवा पर सवार दो लड़कों को घेराबंदी कर दबोचा। तलाशी लेने पर उनके पास मिले पॉलीथिन थैलों से एक किलो 300 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा रखा मिला। आरोपियों के नाम आमिर उर्फ मुर्गी (28) निवासी छोटा चंबल सुदामा नगर ऐशबाग व शरीफ कुरैशी उर्फ बच्चा (34) निवासी चांदबड़ स्टेशन बजरिया बताए गए हैं। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उक्त मादक पदार्थ भारत टॉकीज पुलिया के नीचे किसी अज्ञात व्यक्ति से खरीदकर बेचने के लिए लाए थे। पुलिस ने अवैध गांजा आरोपी आमिर मुर्गी के कब्जे से जब्त किया है।

बच्चा, मुर्गी व अमन को भेजा जेल

एएसआई सतीश यादव ने बताया कि आरोपी आमिर मुर्गी ऐशबाग थाने का निगरानी बदमाश है। उसके खिलाफ 23 अपराध दर्ज हैं जबकि आरोपी शरीफ बच्चा के खिलाफ 21 अपराध कायम हैं। आरोपी आमिर व शरीफ ऐशबाग व आरोपी आमिर मुर्गी अशोका गार्डन तथा आरोपी शरीफ बच्चा स्टेशन बजरिया के अपराधों में फरार थे। अशोका गार्डन वाले मामले में आरोपी आमिर मुर्गी पर पांच हजार रुपए का इनाम घोषित है। एक दिन पूर्व ऐशबाग क्षेत्र में 17 साल के किशोर अफसान पर चाकू से जानलेवा हमला करने के मामले में पुलिस को शरीफ बच्चा व अमन की तलाश थी। पुलिस ने अमन को भी गिरफ्तार कर लिया है।

दो नाबालिग व साथी का आपस में हो रहा था विवाद, सुलह कराने वाले की गई जान

बागसेवनिया में वाइन शॉप के सामने विवाद

सिर पर बीयर की बोतल मारकर युवक की हत्या

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बागसेवनिया थाना क्षेत्र स्थित केंद्रीय संस्कृत विद्यालय के पास वाइन शॉप के सामने दो नाबालिग समेत एक बदमाश ने युवक पर बीयर की बोतल से हमला कर दिया। इस हमले में युवक को सिर में गंभीर चोट आई थी। उसका निजी अस्पताल में इलाज चल रहा था। इलाज के दौरान कल गुरुवार दोपहर युवक की मौत हो गई। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर एक नाबालिग समेत बालिग आरोपी को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। इस सनसनीखेज हत्या के मामले में पुलिस एक अन्य नाबालिग की तलाश कर रही है।

पुलिस के अनुसार मूलतः रायसेन जिला का रहने वाला अरविंद नागर पिता रंजीत नागर (40) विश्वकर्मा नगर, बागसेवनिया में रहता था और मजदूरी करता था। गत 20 मई की रात वह वाइन शॉप शराब लेने पहुंचा था, तभी वहां तीन लोग आपस में विवाद करते हुए नजर आए। अरविंद ने उन्हें आपस में न लड़ने की हिदायत दी तो विवाद और बढ़ गया। आपस में विवाद कर रहे बदमाशों ने अरविंद को ही घेर लिया और उसकी पिटाई कर दी। मारपीट के दौरान बदमाशों ने उसके सिर पर बीयर की बोतल से हमला किया था। बोल सिर में लगने से अरविंद बेसुध होकर गिर गया।

निजी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत

बेहोशी की हालत में अरविंद को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वहां इलाज के दौरान कल गुरुवार दोपहर उसकी मौत हो गई। पुलिस ने उक्त मामले में जितेंद्र बहेलिया और एक नाबालिग को गिरफ्तार कर लिया था, जबकि एक अन्य नाबालिग अभी फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है।

छोटी धाराओं में दर्ज किया था प्रकरण

पुलिस का कहना था कि अस्पताल से मिली मेडिकल रिपोर्ट पर पूर्व में मारपीट और धारा 326 आईपीसी के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। बाद में रिपोर्ट में सिर में गंभीर अंदरुनी चोट होने के कारण हत्या के प्रयास का प्रकरण दर्ज किया गया। कल गुरुवार दोपहर अरविंद की मौत होने पर हत्या की धारा बड़ा दी गई है।

ट्रॉली से खंभा उतारते समय दबा युवक, मौत

ओमकारा सेवनियां में ट्रैक्टर ट्रॉली से बिजली का खंभा उतारते समय एक युवक दब गया। उसे खंभे के नीचे से निकालकर निजी अस्पताल ले जाया गया, वहां डॉक्टर ने प्राथमिक जांच में ही उसे मृत घोषित कर दिया। घटना गुरुवार शाम की बताई जा रही है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मर्चूरी में रखवा दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार विजय कनोजिया पिता रामप्रकाश कनोजिया (42) ओमकारा सेवनियां में रहते थे। वे लांड्री का काम करते थे। ओमकारा सेवनिया में बिल्डर द्वारा करीब सात साल से पहले से प्लॉटिंग की गई है, लेकिन यहां बिजली के खंभे और पानी की निकासी समेत सड़क की समस्या बरकरार है। यहां कॉलोनी में लगभग चालीस फीसदी मकान बन चुके हैं। लोगों को बिजली का कनेक्शन काफी दूर से लेना पड़ रहा है। लिहाजा कॉलोनी के कुछ लोगों ने पैसा इकट्ठा कर बिजली के खंभे खरीदे थे। गुरुवार शाम ट्रैक्टर ट्रॉली खंभे लेकर कॉलोनी में पहुंची और स्थानीय लोग बिजली के खंभे ट्रॉली से उतरवाने लगी। विजय भी वहां खड़ा था और कॉलोनी के लोगों की मदद कर रहा था। इसी बीच भारी भरकम खंभा उतारते समय विजय खंभे के नीचे दबा गया। इस हादसे में उसे गंभीर चोट आई थी। वहां मौजूद कुछ लोग विजय को लेकर अस्पताल पहुंचे, वहां डॉक्टर ने विजय को मृत घोषित कर दिया।

कर्नाटका समेत दो ट्रेनों में यात्रियों का सामान चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कर्नाटका और विशाखापट्टनम एक्सप्रेस में सफर के दौरान यात्रियों का हजारों रुपए का सामान चोरी चला गया। अन्य दूसरी ट्रेनों और रेलवे स्टेशनों पर भी यात्रियों का सामान चोरी हुआ है। जीआरपी ने सभी मामलों में केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार बैंगलोर निवासी के वसंता मंजू और शलिनी विवेक कुमार कर्नाटका एक्सप्रेस में सफर कर रही थी। भोपाल से झांसी के बीच किसी ने उनका पर्स चोरी कर लिया। पर्स में चार हजार रुपए नकद, एक सोने की रिंग, मोबाइल फोन, एटीएम कार्ड, आधार कार्ड, आर्मी कैंटीन कार्ड, हेल्थ कार्ड समेत अन्य सामान रखा हुआ था। इसी प्रकार विशाखापट्टनम के रहने वाले ईमनि शिव सूर्यतेजा पिछले दिनों विशाखापट्टनम एक्सप्रेस में नई दिल्ली की यात्रा कर रहे थे। भोपाल रेलवे स्टेशन आने से पहले वह वाशरूम चले गए थे। वापस लौटे तो सीट पर रखा उनका बैग चोरी हो चुका था। चोरी गए बैग में लैपटाप, आधार कार्ड, पैनकार्ड, ड्रायविंग लायसेंस और कालेज के मूल दस्तावेज रखे हुए थे। पुलिस ने दोनों ही मामलों में अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

चार्जिंग पाइंट से मोबाइल चोरी

अनूपपुर के रहने वाले नर्वद सिंह अपने परिवार के साथ रीवांचल एक्सप्रेस से अनूपपुर जाने के लिए रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने अपना मोबाइल फोन स्टेशन के ओवरब्रिज पर चार्जिंग पाइंट पर लगा दिया। कुछ देर बाद उन्हें नींद आ गई। कुछ देर बाद देखा तो चार्जिंग पर लगा उनका मोबाइल नहीं था। चोरी गए मोबाइल की कीमत 25 हजार रुपए बताई गई।

पार्किंग में खड़ा दोपहिया वाहन चोरी

रेलवे कर्मचारी शैलेश सक्सेना बुधवार को भोपाल रेलवे स्टेशन पर ड्यूटी करने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने अपना दोपहिया वाहन प्लेटफार्म क्रमांक एक स्थित कार पार्किंग एरिया में पार्क किया और ड्यूटी के लिए चले गए. शाम करीब पांच बजे बाहर निकले तो पार्किंग खड़ा उनका वाहन चोरी हो चुका था। जीआरपी ने अज्ञात वाहन चोर के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

आम तोड़ते समय पेड़ से गिरे ग्राम सेवक की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो। हबीबगंज थाना क्षेत्र स्थित ई श्री में गुरुवार सुबह आम तोड़ते समय ग्राम सेवक पेड़ से गिर गए। करीब पंद्रह फीट की ऊंचाई से गिरने के कारण उन्हें सिर में पीछे की तरफ गंभीर चोट आई थी। परिजन उन्हें निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां कुछ ही देर बाद डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार शत्रुघन शर्मा पिता गंगाराम शर्मा (61) ई-श्री/211, अरेरा कॉलोनी में रहते थे। वे ग्राम सेवक थे और इन दिनों की उनकी पोस्टिंग फंदा ब्लॉक में थी। परिजन ने बताया कि घर में आम का पेड़ लगा हुआ है। गुरुवार सुबह करीब साड़े 9 शत्रुघन पेड़ पर चड़कर आम तोड़ रहे थे, तभी पेड़ से नीचे गिर गए। सिर में पीछे की तरफ गंभीर चोट होने के कारण उन्हें अस्पताल ले जाया गया, वहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

घर में आपत्तिजनक सामग्री मिली, पत्नी पर हंसिया से हमला

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

चूनाभट्टी थाना क्षेत्र स्थित हनुमान मंदिर के पास बुधवार रात नव विवाहिता पर पति ने धारदार हसिया से हमला कर दिया। दरअसल, पति विदिशा में रहता है और बुधवार शाम ही विदिशा से भोपाल आया था। घर में उसने कागज में लिपटी हुई आपत्तिजनक सामग्री मिली तो वह भड़क गया और पत्नी के चरित्र पर संदेह करते हुए हसिया से हमला कर दिया। हसिया का हमला हाथ से रोकने के कारण नव विवाहिता के बाएं हाथ में तीन जगह गंभीर चोट आई है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार 23 साल की नव विवाहिता मूलतः विदिशा की रहने वाली है और वह इन दिनों चूनाभट्टी इलाके में हनुमान मंदिर के पास रहती है। उसने शिकायत करते हुए बताया कि वह एक बड़े होटल में कुक है। उसका पति जिला विदिशा मे रहता है। बुधवार शाम पति विदिशा से घर पहुंचा था। रात करीब 9 बजे नव विवाहिता पास ही मंदिर में भंडारा खाने गई थी। उसने पति से साथ चलने का कहा थे, लेकिन उसने साथ चलने से मना कर दिया। रात करीब पौने दस बजे वह भंडारे खाना खाकर लौटी तो पति गर्म पानी कर रहा था। इसके बाद दीवार पर लगी घड़ी देखने लगा। खड़ी बंद थी तो वह घड़ी के पास पहुंचा और एक कागज का पैकेट उठाकर कहने लगा कि यह क्या है। उसने कहा कि मुझे नहीं पता। इस पर पति भड़क गया और कहने लगा कि मै नहीं रहता हूं तो यह आपत्तिजनक सामग्री क्यों रखती हो। इस पर विवाद होने लगा और पति ने मारपीट शुरू कर दी। उसका शोर सुनकर आसपास के लोग इकट्ठा हो गए तो आरोपी वहां रखा धारदार हसिया उठाकर हमला कर दिया। हसिये का हमला बाएं हाथ से रोकने के कारण उसे हाथ में करीब तीन जगह गंभीर चोट लगी है। किसी तरह मकान मालिक के बेटे और पत्नी ने उसकी जान बचाई। इसके बाद पुलिस थाने पहुंचकर पति के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

मेट्रो एंकर | शॉर्ट पीएम रिपोर्ट मिलने के बाद हुआ खुलासा

सोडियम नाइट्रेट पीने से हुई थी मौत, परिजन बोले- गुमशुम रहता था सिद्धार्थ

भोपाल, दोपहर मेट्रो। मिसरोद स्थित निरूपम रॉयल पाम कॉलोनी, जाटखेड़ी में नाइट्रोजन सिलेंडर से आत्महत्या करन वाले सिद्धार्थ की मौत सोडियम नाइट्रेट पीने से हुई थी। इसका खुलासा शॉर्ट पीएम रिपोर्ट मिलने के बाद हुआ। गुरुवार को लखनऊ से आए सिद्धार्थ खुराना के परिजन के बयान दर्ज किए हैं। परिजन ने केवल इतना ही बताया कि वह शुरू से शांत स्वभाव का था। उन्हें यह भी पता है कि सिद्धार्थ डिप्रेशन में था और उसका इलाज चल रहा था। परिजन ने सिद्धार्थ का सुभाष नगर विश्राम घाट में अंतिम संस्कार कर दिया।

पुलिस ने बताया कि लखनऊ से मृतक के माता-पिता के अलावा दीदी व जीजा आए थे। उल्लेखनीय है कि निरूपमा रॉयल पाम कॉलोनी जाटखेड़ी में रहने वाले सिद्धार्थ खुराना (31) की लाश उसके फ्लैट से बरामद की गई थी। घटनास्थल से पुलिस ने सिद्धार्थ के चेहरे पर पन्नी लिपटी देखी और इसी पन्नी के अंदर नाइट्रोजन गैस के सिलेंडर का पाइप था। पुलिस को घटनास्थल से तीन गिलास मिले थे जिससे सोडियम नाइट्रेट पिया गया था। एएसआई निर्मल विश्वकर्मा ने बताया कि सिद्धार्थ खुराना ने बैग्लुरु से आईएचएम (होटल मैनेजमेंट) की पढ़ाई की थी। वह यहां जाटखेड़ी स्थित निरूपम रायल पॉम कॉलोनी में किराए के मकान में रह रहा था। तीन दिन पहले उसने नाइट्रोजन गैस के सिलेंडर की पाइप अपने मुंह में दबाई और फिर पन्नी से मुंह पूरी तरह से पैक कर नाइट्रोजन गैस चालू कर दी। पुलिस को उसका दो दिन पुराना शव मिला था। नाइट्रोजन गैस का पाइप लगाने से पहले उसने तीन गिलास सोडियम नाइट्रेट नामक एसिड पी लिया था। पुलिस पता लगा रही है कि सिद्धार्थ ने नाइट्रोजन गैस का सिलेंडर कहां से खरीदा था। भोपाल नहीं आने के कारण गर्लफ्रेंड के बयान भी दर्ज नहीं हो सके हैं।

भाजयुमो उपाध्यक्ष की हत्या का मामला

एक और आरोपी पुलिस गिरफ्त में

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

केन्द्रीय जेल के बाहर भाजयुमो के मंडल उपाध्यक्ष सुरेन्द्र कुशवाह की हत्या के मामले में फरार चल रहे आरोपी संदेश नरवाड़े को गांधी नगर पुलिस ने गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर दिया। वहां से आरोपी को जेल भेज दिया है। आरोपी को हलालपुरा बस स्टैंड के पास से मुखबिर की सूचना पर गिर तार किया गया है। वह परिजन से मिलने भोपाल आया था। बताया जा रहा है कि इस बीच आरोपी ने सागर व रायसेन जिले में फरारी काटी है। हत्याकांड मामले में एसआईटी जांच कर रही है। आरोपी राघवेंद्र उर्फ छोटू सेन निवासी भीम नगर अरेरा हिल्स, फैजल खान निवासी हसनात नगर, दीपांशु उर्फ तन्नू सेन निवासी पंचशील नगर, राज कुंवर निवासी पंचशील नगर और अजय पासवान निवासी पंचशील नगर तथा आकाश निवासी पंचशील नगर को पूर्व में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

बुजुर्ग ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

निशातपुरा थाना क्षेत्र स्थित जनता नगर करोंद में एक बुजुर्ग व्यक्ति ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उनके पास कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है, लेकिन प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि उनका मानसिक संतुलन ठीक नहीं था। परिजन उनका मनोचिकित्सक के पास इलाज भी करा रहे थे। पुलिस के अनुसार शरीफ मोहम्मद (65) जनता नगर फेस-2 करोंद में रहते थे। वह पहले प्रायवेट काम करते थे। पिछले कुछ दिनों से शरीफ का मानसिक संतुलन बिगड़ चुका था। गुरुवार सुबह मकान की पहली मंजिल पर स्थित बरामदे में उनकी लाश पंखे वाले कुंदे से फांसी पर लटकी मिली। पड़ोसियों ने शव फंदे पर लटका देख परिजन को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस को घटना की जानकारी दी गई।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022